बालाघाट म.प्र. से प्रकाशित एवं बालाघाट, सिवनी (म.प्र.) एवं गोंदिया भंडारा (महा.) मे एक साथ प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 28 मई 2026 | दिन - गुरुवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 120 | मूल्य - 5 रुपये

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हसीब मोहम्मद सिवनी
मो. 7898530101

जग प्रेरणा
जिला सिवनी
● अरी ● गंगेरुआ ● बरघाट ● लखनादौन ● छपारा ● केवलारी

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

जनसुनवाई बनी भरोसे की बुनियाद, पुलिस-जनता संवाद को मिली नई दिशा

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने साप्ताहिक जनसुनवाई में सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश..

जगप्रेरणा सिवनी।
सिवनी पुलिस द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निराकरण हेतु संचालित साप्ताहिक जनसुनवाई एवं नागरिक संवाद कार्यक्रम जन-विश्वास का प्रतीक बनता जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के मार्गदर्शन में संवेदनशील पुलिसिंग को नई दिशा मिल रही है।

आज दिनांक 26.05.2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में कृष्ण लालचंदानी ने जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। प्रत्येक फरियादी को अपनी बात निर्भीक होकर रखने का पूरा अवसर प्रदान किया गया, जिससे जनसुनवाई में विश्वासपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ।

तत्काल निराकरण- कई प्रकरणों का मौके पर ही विधिसम्मत समाधान कर राहत प्रदान की गई। **समयबद्ध कार्रवाई-** शेष प्रकरणों में संबंधित थाना प्रभारियों को निष्पक्ष जांच कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण के सख्त निर्देश दिए गए। **विशेष प्राथमिकता-** महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं कमजोर वर्गों से संबंधित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। **थाना स्तर पर विस्तार-** जनसुनवाई प्रक्रिया को जिले के समस्त थाना एवं चौकी स्तर तक विस्तारित किया गया है, जिससे नागरिकों को अपने क्षेत्र में ही त्वरित न्याय मिल सके और जिला मुख्यालय तक अनावश्यक आवागमन न करना पड़े।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि 'जनसुनवाई केवल शिकायत निवारण का मंच नहीं, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास की बुनियाद है। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक को न्याय सुलभ हो और पुलिस के प्रति भरोसा और मजबूत हो।'सिवनी पुलिस आमजन से अपील करती है कि वे अपनी समस्याएं निर्भीक होकर जनसुनवाई में रखें। प्रत्येक शिकायत का संवेदनशीलता एवं निष्पक्षता के साथ निराकरण करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बकरीद पर्व के मद्देनजर सिवनी पुलिस का तकनीकी प्रहार..

ड्रोन से अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी..

जगप्रेरणा सिवनी।
पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी (भा.पु.से.) के निर्देशन में आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु जिले में अवैध गतिविधियों पर रोकथाम के लिए सतत एहतियाती कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में अति. पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी केवलारी के पर्यवेक्षण में थाना कान्हीवाड़ा पुलिस द्वारा क्षेत्र के संवेदनशील ग्रामों में तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर सघन निगरानी प्रारंभ की गई है।

थाना कान्हीवाड़ा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खैरी, चुटका, टीकरी, बाहनवाड़ा, उमरिया एवं आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन कैमरे की मदद से नदी, नालों, खेतों एवं सुनसान इलाकों की गहनता से चेकिंग कराई गई। ड्रोन के माध्यम से उन स्थानों पर विशेष निगाह रखी जा रही है जहाँ अवैध मादक पदार्थ, गौवंश तस्करी या अन्य आपराधिक गतिविधियों की आशंका रहती है। ड्रोन सर्विलांस से प्राप्त इनपुट के आधार पर जमीनी स्तर पर भी गश्त एवं दबिश दी जा रही है।

तकनीकी निगरानीद्व दुर्गम क्षेत्रों में होने वाली अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना। अपराध नियंत्रणद्व असामाजिक तत्वों में पुलिस की तकनीकी सतर्कता का संदेश देना। शांति व्यवस्थाद्व बकरीद पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना एवं सौहार्द का माहौल सुनिश्चित करना। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि त्यौहार के दौरान अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। ड्रोन के अलावा सीसीटीवी, मुखबिर तंत्र एवं पैदल गश्त से भी सतत निगरानी की जा रही है।

सिवनी पुलिस की अपील..

सभी नागरिक बकरीद का त्यौहार आपसी भाईचारे एवं शांति के साथ मनाएं। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल डायल-112 या थाना कान्हीवाड़ा पर दें। सूचनाकर्ता का नाम पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा।

आज अदा की जायेगी ईद-उल-अज्हा की नामाज..

सभी तैयारियां हुई पूर्ण..

जगप्रेरणा सिवनी।
जिला मुख्यालय सहित जिले के ग्रामीण अंचलों में गुरुवार 28 मई को ईदुल अजहा का त्यौहार शांति व सद्भाव के साथ मनाया जायेगा। ईदउलअज्हा के लिए मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा तैयारी पूर्ण कर ली गई है जिसमें मुख रूप से घरों की साफसफाई व बकरों की खरीददारी शामिल है ।

नगर के बड़ी ज्यारत स्थित ईदगाह में सुबह 8 बजे ईदुल अजहा की नमाज अदा की जायेगी, जहां शहर काजी मौलाना रफीक अनीश अंसारी ने बताया कि ईदगाह में नमाज अदा होने के पश्चात अमन चैन व शांति की दुआ के बाद एक दूसरे को गले मिल ईद की मुबारकबाद दी जायेगी। शहर काजी द्वारा मुस्लिम धर्मावलंबियों से ईदउलअज्हा की त्यौहार शांति व सदभाव के साथ मनाने की अपील करते हुए नगर पालिका प्रशासन से साफ-सफाई एवं पुलिस प्रशासन से सुरक्षा के इंतेजाम करने का आग्रह किया गया है।

जिला मुख्यालय सिवनी में बडी ज्यारत ईदगाह के अलावा नगर के घसयारी मोहल्ला स्थित ईदगाह में सुबह 6.30 बजे, मस्जिद फैजाने रजा 7.30 बजे, मस्जिद सूफिया मे 8 बजे, मस्जिद फैजगंज पिंजारी मोहल्ला में 8.15 बजे, मस्जिद नूरअंबिया बस स्टैंड में 7.30 बजे, बुधवारी बाजार जी एन रोड स्थित मस्जिद ईदगाह में 8 बजे एवं मस्जिद गोसिया एकता कॉलोनी व मस्जिद गरीब नवाज में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा नमाज अदा की जायेगी।

सिवनी नगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकरियों की नियुक्ति

जगप्रेरणा सिवनी।
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की भावनानुसार संगठन सृजन अभियान के अन्तर्गत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला प्रभारी सोहन वाल्मीकि की अनुशंसा से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी द्वारा सिवनी विधानसभा के नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तनवीर अहमद द्वारा प्रस्तावित नगर कांग्रेस कार्यकारिणी के अनुसार सिवनी नगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकरियों की नियुक्ति की गई है। नगर कांग्रेस कोषाध्यक्ष पीयूष शाह, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष जगदीश गुप्ता, नितिन मिश्रा, श्रीमती तृप्ती नामदेव। नगर कांग्रेस महासचिव कैलाश अवधिया, श्रीमती संगीता सोनी, प्रवेश बाबू भालोटिया, राजेश मानाठाकुर, स्वदेश सक्सेना, प्रहलाद चौहान, अंशुल अवस्थी, सुजीत गोदरे।

नगर कांग्रेस सचिव श्रीमती निताशा बघेल, एड़ सुश्री शीरीन खान, श्रीमती पूजा उइके, विनय बाबू मिश्रा, दिनेश सनोडिया, दयाराम कौशले, कासिफ गनी खान, इरशाद कादरी, नितिन बघेले, समीर खान, मुदस्सर अली, मीडिया से मुबीन कुरैशी एवं सोशल मीडिया में एजाज अहमद खान इज्जू का समावेश किया गया है।

सिवनी मे जगप्रेरणा समाचार पत्र के लिये संपर्क करे.. हसीब मोहम्मद 7898530101

सिवनी पुलिस ने गौ वंश और रासुका के पूर्व के आरोपियों पर कसा शिकंजा..

तलब कर दी नसीहत..

जगप्रेरणा सिवनी।
पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के नेतृत्व व मार्गदर्शन और अति पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा व एसडीओपी केवलारी आशीष भराडे के निर्देशन में प्रभारी कंट्रोल रूम निरीक्षक ओमेश्वर ठाकरे, पलारी प्रभारी उपनिरीक्षक संजीव दीक्षित, आर. कपिल कटरे, सै. वकील की टीम द्वारा थाना-तहसील मोमिनपुरा, नागपुर (महाराष्ट्र) के पूर्व के गौ वंश क्रुरता व रासुका के आरोपियों को तलब कर सख्त कार्रवाई की गई। उक्त आरोपियों पर सतत् निगरानी हेतू थाना-प्रभारी तहसील, नागपुर को तहरीर प्रस्तुत की गई व एमओबी शाखा को प्रतिबंधात्मक कार्यवाही हेतू इतल्ला किया गया है।

आरोपियों की गतिविधियों पर अंकुश रखने के लिए डोजियर रिकॉर्ड तैयार कर कार्यवाही संपादित की गई, स्थानीय थाने में परेड ली जाकर सिवनी पुलिस द्वारा जब भी तलब किया जावे हाजिर होने पाबन्द किया गया। आरोपियों, व उनके परिवार और साथीदारों के बारे में विस्तृत पूछताछ की जाकर सख्त हिदायत व समझाईश दी गई हैं। अपराध की पुनरावृत्ति करने पर होने वाली कठोर कार्रवाई को लेकर चेतावनी और गंभीर परिणाम से अवगत कराया गया हैं।

आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने तथा जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा सतत निगरानी व एहतियाती कार्यवाहीयां की जा रही है।

86.600 किलोग्राम गाँजा सहित 2 अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार..

जब्त मशरूका की कुल कीमत 51.30 लाख रुपये

जगप्रेरणा सिवनी।
पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी (भा.पु.से.) के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन एवं अनु. अधि. पुलिस लखनादौन अपूर्व भलावी के नेतृत्व में थाना लखनादौन पुलिस को अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 27/05/2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि स्विफ्ट डिजायर कार क्रं. **MP 49 C 3251**से अवैध मादक पदार्थ गाँजा की बड़ी खेप नागपुर से भोपाल की ओर ले जाई जा रही है।

सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए अनु. अधि. पुलिस लखनादौन अपूर्व भलावी के नेतृत्व में थाना प्रभारी लखनादौन निरीक्षक के.पी. धुर्वे एवं थाना प्रभारी छपारा खैमेन्द्र जैतवार द्वारा संयुक्त टीम गठित कर बम्होडी ब्रिज, लखनादौन के पास घेराबंदी की गई।

घेराबंदी के दौरान उक्त कार को रोककर तलाशी ली गई। कार में सवार 2 व्यक्तियों ने पूछताछ में अपना नाम जाकिर मिया पिता पीर मिया, उम्र 58 वर्ष, निवासी भोपाल एवं कमल पिता दौलतराम जाटव, उम्र 41 वर्ष, निवासी भोपाल बताया।

कड़ाई से पूछताछ पर आरोपियों ने कार की सीट के नीचे बने विशेष चैम्बर में गाँजा छुपाकर रखना स्वीकार किया। चैम्बर खोलकर तलाशी लेने पर 15 पैकेटों में कुल 86.600 किलोग्राम गाँजा बरामद हुआ। दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर अवैध मादक पदार्थ एवं वाहन को जप्त किया गया। आरोपियों के विरुद्ध थाना लखनादौन में अपराध क्र.220/26 धारा 8, 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त कर नेटवर्क के संबंध में सघन पूछताछ की जा रही है।

जप्त मशरूका-मादक पदार्थ गाँजा- 86.600 किलोग्राम, अनुमानित कीमत 43,30,000/- रुपये, मारुति स्विफ्ट डिजायर कार - क्र. **MP 49 C 3251**, अनुमानित कीमत 8,00,000/- रुपये, कुल जप्त मशरूका की अनुमानित कीमत - 51,30,000/- रुपये.

इस सम्पूर्ण कार्यवाही में अनु.अधि. पुलिस लखनादौन अपूर्व भलावी, थाना प्रभारी लखनादौन निरी. के.पी. धुर्वे, थाना प्रभारी छपारा खैमेन्द्र जैतवार, सउनि प्रदीप शर्मा, आर. धनेश्वर यादव, आर. ओमप्रकाश धुर्वे, आर. लकेश पटले की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक द्वारा टीम के उत्साहवर्धन हेतु नगद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, भंडारण एवं विक्रय पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। आमजन से अपील है कि नशे के अवैध कारोबार की सूचना तत्काल डायल-112 या नजदीकी थाना पर दें। सूचनाकर्ता का नाम पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा।

गुंडा-बदमाशों पर डूण्डासिवनी पुलिस की सख्त कार्यवाही..

दो आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

जगप्रेरणा सिवनी।
पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी द्वारा जिले में गुंडा-बदमाशों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही एवं आगामी त्योहारों के मद्देनज़र आम जनता को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने हेतु निरंतर निर्देश दिए जा रहे हैं।

इसी क्रम में अति. पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा एवं नगर पुलिस अधीक्षक सिवनी सचिन परते के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी डूण्डासिवनी निरीक्षक चैनसिंह उइके द्वारा गुंडा-बदमाशों पर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

दिनांक 25/05/2026 को प्रार्थी नवल गोस्वामी द्वारा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि इंस्टाग्राम पोस्ट पर कमेंट को लेकर बरघाट नाका के पास थाना क्षेत्र का निगरानी शुदा गुंडा-बदमाश युवराज उर्फ बहादुर तेकाम एवं उसका साथी समीर वस्तवार ने रास्ते में रोककर गाली-गलौज की, शराब पीने के लिए पैसे मांगे तथा पैसे न देने पर मारपीट की। रिपोर्ट पर थाना डूण्डासिवनी में अपराध क्रमांक 266/2026 धारा 296, 119(1), 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। माननीय न्यायालय के आदेशानुसार दोनों आरोपियों को जिला जेल सिवनी में निरुद्ध किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी- युवराज उर्फ बहादुर तेकाम, उम्र 21 वर्ष, निवासी गोंडी मोहल्ला, डूण्डासिवनी, जिला सिवनी, समीर उर्फ आर्यन वस्तकार, उम्र 22 वर्ष, निवासी गोंडी मोहल्ला, थाना डूण्डासिवनी, जिला सिवनी

सराहनीय कार्य- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक चैनसिंह उइके के नेतृत्व में समस्त थाना डूण्डासिवनी स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहा एक ऑटो वाहन जब्त, आरोपी फरार

जगप्रेरणा सिवनी।
जिले के घंसौर वन परिक्षेत्र में मंगलवार देर रात लकड़ी तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। बक्शी गांव के पास वन अमले और वन समिति की संयुक्त सतर्कता से अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहा एक ऑटो वाहन जब्त किया गया। हालांकि कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार वन समिति के सदस्य रात में क्षेत्र की निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें जंगल से कीमती लकड़ियां एक वाहन में भरकर ले जाते कुछ संदिग्ध लोग दिखाई दिए। वन समिति ने तत्काल वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर कार्रवाई की।

ऑटो छोड़कर तस्कर फरार..

वन विभाग की टीम ने मौके से लकड़ियों से भरा ऑटो वाहन जब्त कर लिया। बताया गया है कि आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहे। जब्त की गई लकड़ियों की प्रजाति और उनकी वास्तविक कीमत का आकलन वन विभाग की ओर से किया जा रहा है। घंसौर वन परिक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि विभाग को वन संपदा की अवैध तस्करी की सूचना मिली थी। इसी आधार पर टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और वाहन सहित बड़ी मात्रा में लकड़ियां जब्त कीं। उन्होंने यह भी बताया कि लकड़ियों की कीमत और तस्करी के नेटवर्क के संबंध में जांच जारी है।

फरार आरोपियों की तलाश जारी..

वन विभाग अब यह पता लगाने में जुटा है कि ये लकड़ियां कहां से काटी गई थीं और इन्हें किस स्थान पर ले जाया जा रहा था। फरार आरोपियों की तलाश भी की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन संपदा की अवैध कटाई और तस्करी करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

लखनादौन/केवलारी में बसपा का कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

जगप्रेरणा धनौरा।
बहुजन समाज पार्टी (बसपा) द्वारा लखनादौन/केवलारी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आदिवासी सामुदायिक मंगल भवन, धनौरा में ÷विधानसभा स्तरीय संगठन समीक्षा एवं कार्यकर्ता सम्मेलन÷ सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में क्षेत्र के सामाजिक बंधुओं, युवाओं और बसपा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मा. बहन कु. मायावती जी एवं नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था।

संगठन की समीक्षा और नए कार्यकर्ताओं का स्वागत

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना और नए चेहरों को पार्टी से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के दौरान बूथ और सेक्टर स्तर के कार्यों की समीक्षा की गई। वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बहुजन समाज को एकजुट करने के लिए नए और ऊर्जावान युवाओं को आगे लाना बेहद जरूरी है। आज के इस कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं और नए साथियों ने पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर बसपा की सदस्यता ग्रहण की, जिनका वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया।

वरिष्ठ नेताओं ने दिया जीत का मंत्र

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बसपा के मध्य प्रदेश प्रभारी एड. दिलीप बौद्ध ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बहुजन समाज के हक और अधिकारों की लड़ाई केवल बसपा ही लड़ सकती है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रीवा जोन प्रभारी पी.एस. मण्डेलिया ने संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक सक्रिय करने की रणनीति साझा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सिवनी जिला अध्यक्ष लालसिंह नंदौरे ने लखनादौन और केवलारी क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के जोश की सराहना की और आगामी समय में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।

वोट हमारा राज तुम्हारा नहीं चलेगा' के नारे से गूंजा पंडाल

सम्मेलन के दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया और पूरा परिसर 'वोट हमारा राज तुम्हारा... नहीं चलेगा-नहीं चलेगा' के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजक मंडल के सदस्य कैलाश डेहरिया जिला उपाध्यक्ष, रामभवन डेहरिया जिला महासचिव, प्रेमचंद साहू जिला सचिव सहित स्थानीय पदाधिकारियों, निवेदकगण और कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। अंत में विधानसभा क्षेत्र लखनादौन/केवलारी के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

जग प्रेरणा
शहर बालाघाट

● गर्रा ● भटेरा ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

गुरुवार 28 मई 2026

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
मनोज सचदेव
मो. 94258-22975

सड़क दुर्घटना में शिक्षक पुष्पम सोनी की मौत, माता पिता के इकलौते पुत्र थे पुष्पम..

जगप्रेरणा बालाघाट।

आप चाहे कितने भी काबिल क्यों ना हों, लेकिन सड़क पर वाहन चलाने की काबिलियत और सड़क पर लापरवाहीपूर्वक भारी वाहन चलाने वाले वाहन चालकों से खुद को बचाने की सूझबुझ भी आपके अंदर विद्यमान होना आवश्यक है, नहीं तो अच्छे

स्वर्णिम भविष्य का भी दमन सड़क दुर्घटना में हो जाता है। ऐसे अनेक घटनाक्रम पहले भी बालाघाट जिले संहित देश में हो चुके हैं, और ऐसा ही एक दर्दनाक और दुखद घटनाक्रम बालाघाट में फिर मंगलवार को गर्रा बालाघाट मुख्य मार्ग पर पेट्रोल पम्प के समीप हुआ, जिसमें ट्रक की टक्कर से शिक्षक पुष्पम सोनी की युवावस्था में दर्दनाक मौत हो गई, और इस तरह से एक स्वर्णिम भविष्य का दर्दनाक और दुखद अंत हो गया। जानकारी के अनुसार पुष्पम सोनी अपने माता पिता की इकलौती संतान थे।

गौरतलब है कि मृतक पुष्पम सोनी सरदार पटेल यूनिवर्सिटी में कार्यरत थे, तथा देर शाम तक काम के बाद घर लौटने के दौरान अचानक मंगलवार 26 मई की रात में ट्रक की टक्कर से दुर्घटना के शिकार हो गए, जिसके बाद जानकारी मिलने पर पुष्पम सोनी के दोस्तों को जानकारी मिलने पर वे उसेनिजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने पुष्पम सोनी को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को जिला अस्पताल लाया गया। बुधवार को जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम की कार्यवाही के दौरान मृतक पुष्पम सोनी के चाचा संजय सोनी ने मीडिया को बताया कि पुष्पम सोनी मूल रूप से कटंगी के जाम निवासी थे और बालाघाट में रहकर सरदार पटेल यूनिवर्सिटी के माइनिंग विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। चाचा संजय सोनी ने बताया कि पुष्पम अपने माता पिता की इकलौती संतान थे, तथा परिवार का एक ही सहारा थे। पुष्पम की मौत के बाद परिवारजनों का रो रोकर बूरा हाल है।

परिवारजनों ने हत्या की आशंका जताकर की जांच की मांग..

गौरतलब है कि शिक्षक पुष्पम सोनी की मृत्यु के उपरांत परिवारजनों ने इसे सिर्फ सड़क हादसा मानने से इनकार किया है, तथा हत्या की आशंका भी जताई है। परिवार बूरी तरह से सदमे में है कि एक होनहार और सुंदर सुशील परिवार का चिराग अचानक क्यों इस तरह से दूनिया से चला गया। गौरतलब है कि इस मामले में कोतवाली पुलिस जांच कर रही है।

ईद उल अजहा का पर्व आज, बालाघाट में ईदगाह में अदा की जाएगी विशेष नमाज..

अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने जारी किया टाईम टेबल

जगप्रेरणा बालाघाट।

अल्लाह के पैगंबर हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माइल अलैह सलाम की याद में मनाया जाने वाला ईद उल अजहा का पर्व गुरुवार को देश सहित सम्पूर्ण बालाघाट जिले में पूर्ण अकीदत के साथ मनाया जायेगा।कुर्बानी के इस ख़ास पर्व ईद उल अजहा को लेकर नगर मुख्यालय सहित पूरे जिले में मुस्लिम धर्मालंबियों द्वारा पर्व विशेष की तैयारियां

पुर्ण कर ली गई है। जहा इस पर्व पर घर- घर बकरों की कुर्बानी की जायेगी। जिसके गोश्त को गरीबो रिश्तेदारो में बाटा जाएगा। इस पर्व पर अदा की जाने वाली विशेष नमाज, पुलिस लाइन स्थित ईदगाह में सुबह 7 बजे अदा होगी, जबकि दूसरी नमाज मस्जिद आला हजरत जामेआ नूरिया में सुबह 7:45 बजे आयोजित होगी। अंजुमन कमेटी ने समाजजनों से तय समय पर नमाज स्थल पहुंचने की अपील की है।

मुस्लिम बहुल इलाकों की बढ़ी रौनके

ईद उल अजहा के इस प्रमुख पर्व को लेकर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में खासी रौनक देखी जा रही है। जहां घरो-घर कुर्बानी को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। जहां घरों की साफ-सफाई कर रंग रोगन लगाकर विशेष रुप से घरों को सजाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।इस पर्व को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह छोटे बच्चों में देखा जा रहा है जो ईद उल अजहा के खास मौके पर फर्ज और वाजिब नमाज अदा करने, कुर्बानी का गोश्त गरीबों में तक्सीम करने, नए कपड़े पहनने और तरह-तरह के पकवानों का सेवन कर विभिन्न धार्मिक व मनोरंजक जगहों में जाकर सैर सपाटा करने को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं जिसकी योजना भी बच्चों ने अपने परिवार के साथ मिलकर बना ली है। अब पूरे मुस्लिम समाज को गुरुवार की सुबह का इंतजार है। क्योंकि सुबह होते ही ईद उल अज़हा का पर्व शुरू हो जाएगा जो तीन दिनों तक जारी रहेगा।

सामाजिक सद्भाव के साथ मनाए पर्व.. फारुख

अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने कुर्बानी को लेकर विशेष सावधानी और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया है।सदर मो. फारुख ने पर्व विशेष को लेकर दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि कुर्बानी अपने बंद आंगन में की जाए तथा गैर मुस्लिम क्षेत्रों की सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर कुर्बानी से बचा जाए। इसके अलावा कुर्बानी के वीडियो, फोटो और ऑडियो सोशल मीडिया पर साझा न करने की भी अपील की है, ताकि किसी प्रकार की सामाजिक असहजता उत्पन्न न हो।कमेटी ने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह देते हुए कुर्बानी के बाद पशु अवशेषों का उचित निस्तारण करने, अनुपयोगी वस्तुओं को सुरक्षित दफनाने की व्यवस्था अपनाने को कहा गया है।उन्होंने पुलिस व नपा प्रशासन से पर्व विशेष पर उचित व्यवस्था बनाने और सहयोग की अपील करते हुए सभी नागरिकों से आपसी भाईचारे, अनुशासन और सामाजिक सद्भाव के साथ पर्व मनाने की बात कही है।

अतिक्रमण हटाने जेसीबी आगे बढ़ी तो भरी धुप में लेट गई वृद्धि महिला, लौटी प्रशासनिक टीम

तहसील भवन के लिये चिन्हित भूमि पर अतिक्रमण हटाने पहुंचा था प्रशासनिक अमला..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट में 27 मई को एसडीएम गोपाल सोनी के प्रतिनिधित्व में प्रशासनिक टीम अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने के लिये पॉवर हाउस मार्ग पर वर्षो से रह रहे 62 परिवारों का अतिक्रमण हटाने के लिये पहुंची, तब बड़ी संख्या में अतिक्रमण कर अपना मकान बनाकर रहने वाली महिलाएं

प्रशासनिक टीम से भीड़ गई, जबकि वहीं एक वृद्ध महिला तो भरी धुप में जेसीबी मशीन ना चला सके इसलिये जमीन पर ही लेट गई, इस दौरान प्रशासनिक टीम को काफी जद्दोजहद महिलाओं से करनी पड़ी, लेकिन महिलाएं नहीं मानी, और अतिक्रमण कार्रवाई का विरोध किया। महिलाओं और एसडीएम गोपाल सोनी के बीच तीखी बहस भी हुई, जिसके बाद आखिरकार एक दिन का समय देते हुए प्रशासनिक टीम का बगैर कार्रवाई के वापस लौटना पड़ा।

बोले एसडीएम गोपाल सोनी..

मीडिया को बयान देते हुए एसडीएम गोपाल सोनी ने कहा कि यह भूमि शासकीय है जिस पर तहसील भवन का निर्माण किया जाना है। प्रशासन एक साल से अतिक्रमण को हटाने का प्रयास कर रहा है, ताकि परियोजना का काम पूरा हो सके, जिसके लिए राशि भी आ चुकी है। अतिक्रमणकारियों को चार बार बेदखली के आदेश दिए जा चुके हैं, लेकिन उन्होंने अतिक्रमण नहीं हटाया। श्री सोनी ने आगे कहा कि टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची तो महिलाओं ने विरोध शुरू कर दिया, जिसके बाद उन्हें एक दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो कानूनी कार्रवाई कर इसे हटाया जाएगा।

वर्षो से रह रहे 62 परिवार..

गौरतलब है कि पॉवर हाउस मार्ग पर स्थित शासकीय भूमि पर लगभग 62 परिवार वर्षो से मकान बनाकर रह रहे हैं। अतिक्रमण हटाने तक प्रशासनिक टीम पहुंची तो वहां पर उपस्थित रेवतनबाई ने मीडिया को बताया कि जब उन्होंने मकान बनाए थे, तब किसी ने आपत्ति नहीं की थी। उन्होंने अपनी जमा पूंजी से घर बनाया तो प्रशासन उन्हें तोड़ना चाहता है। महिलाओं ने गुहार लगाई कि प्रशासन उन्हें वैकल्पिक जमीन या आवास उपलब्ध कराए, या फिर इसी जगह का पट्टा दे।

सांसद विधायक पर की नाराजगी व्यक्त..

अतिक्रमण निवासी अखिलेश मरकाम मीडिया के सामने कहा कि चुनाव में वोट लेने के लिये सांसद विधायक सब आ जाते हैं, लेकिन कई बार निवेदन के बाद भी अब कोई हमारी नहीं सुन रहा। प्रशासन की यह कार्रवाई गरीबों के साथ अन्याय है।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा कर दिये आवश्यक दिशा निर्देश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने 27 मई को प्रदेश के सभी 55 जिलों में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक लेकर शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों, विकासकार्यो एवं कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस वीडियों कांफ्रेंस में कलेक्टर श्री मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ, वनमण्डलाधिकारी श्री नित्यनंदम एल, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन एवं सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

लोक सेवा गारंटी एवं सीएम हेल्पलाइन के निराकरण के निर्देश

मुख्य सचिव श्री जैन ने वीडियों कांफ्रेंस में कहा कि लोक सेवा गारण्टी, जनसुनवाई एवं सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण किया जाए। इनके निराकरण में प्रशासन की संवेदनशीलता नजर आना चाहिए। सडक दुर्घटनाओं के घायलों के उपचार के लिए पीएम राहत योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए बालाघाट जिला प्रशासन की सराहना की गई। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि पीएम राहत योजना का सभी जिलों में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। खनिज के अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए बालाघाट जिले में अच्छी उपलब्धि के लिए सराहना की गई। मुख्य सचिव श्री जैन ने 26 मई को लालबर्रा तहसील के ग्राम पलाकामठी में खनिज माफिया द्वारा पुलिस जवान पर ट्रेक्टर चढाने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा न जाए और उनके खिलाफशासकीय कार्य में बाधा डालने और हत्या करने का प्रयास का प्रकरण दर्ज किया जाए।

जननी सुरक्षा एवं प्रसूति सहायता योजनाओं की समीक्षा

बैठक में सबसे पहले स्वास्थ्य विभाग की जननी सुरक्षा योजना एवं प्रसुति सहायता योजना की सहायता राशि वितरण की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि इन दोनो योजनाओं के हितग्राहियों को राशि का शीघ्र वितरण किया जाए और कोई भी पात्र हितग्राही महिला इन योजनाओं के लाभ से वंचित नही रहना चाहिए। बैठक में बताया गया कि इन योजनाओं में सहायता राशि वितरण के प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित है और सीएम हेल्पलाईन में भी इस संबंध में प्रकरण दर्ज कराये गए है। अतः इन प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण किया जाए। बैठक में किसानों को ई-विकास पोर्टल के माध्यम से उर्वरक वितरण के निर्देश दिये गए। इसके लिए सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से बनाने के निर्देश दिये गए। ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक वितरण व्यवस्थित तरीके से हो रहा है और किसानों को उर्वरक के लिए लाइन लगाने की जरूरत नही पड रही है। खरीफ फसलों के लिए प्रदेश में उर्वरक का पर्याप्त भण्डारण कर लिया गया है और उर्वरक की कमी नही है। बैठक में बलराम तालाब, नरवाई प्रबंधन की समीक्षा की गई और पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गए। पशुपालन विभाग को क्षीरधारा एवं कामधेनु योजना में लक्ष्य के अनुरूप ऋण प्रकरण तैयार करने तथा पशुओ का 100 प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने कहा गया। मत्स्यपालन के लिए बडे जलाशयों में लक्ष्य के अनुरूप केज कल्चर लगाने के निर्देश दिये गए। मुख्य सचिव श्री जैन ने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पेयजल प्रदाय व्यवस्था पर कडी निगरानी रखने के निर्देश दिये। वीडियों कांफ्रेंस में नगरीय निकाय की अमृत-2.0, स्वच्छता सर्वेक्षण, कचरा प्रबंधन, जल गंगा संवर्धन अभियान, राजस्व विभाग के नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, लोकसेवा गारण्टी, जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों एवं वर्षा ऋतु के पूर्व बाढ आपदा प्रबंधन के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई। श्रमयोगी मानधन योजना में अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन कराने के निर्देश दिये गए।

सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित..

जगप्रेरणा बालाघाट।

सीएम राइज शासकीय वीरांगना रानी दुर्गावती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (संदीपनि विद्यालय) बालाघाट में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए हिंदी माध्यम की विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों से 10 जून 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

इच्छुक विद्यार्थी एवं अभिभावक विद्यालय कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं। सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य डॉ युवराज रहांगडाले ने बताया कि पहली कक्षा में 25, दूसरी में 5, तीसरी में 15, चौथी में 2, आठवीं में 3, नवमीं में 15 तथा ग्यारहवीं कृषि संकाय में 25 रिक्त सीटें उपलब्ध हैं। सभी कक्षाओं में प्रवेश हिंदी माध्यम में दिया जाएगा।

विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यदि रिक्त सीटों की संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो चयन प्रक्रिया लॉटरी प्रणाली के माध्यम से की जाएगी। प्रवेश संबंधी नियम एवं शर्तें विद्यालय द्वारा पृथक से जारी की जाएंगी। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले ने अभिभावकों से समय सीमा के भीतर आवेदन जमा करने की अपील की है।

31 मई से शुरू होगा बालाघाट-गर्रा रोड ओव्हर ब्रिज पर यातायात..

रेलवे फाटक स्थायी रूप से होगा बंद, अब नए आरओबी से गुजरेंगे सभी वाहन

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट-वारासिवनी मुख्य मार्ग पर वैनगंगा नदी पुल के पहले निर्मित रोड ओव्हर ब्रिज (आरओबी) से 31 मई 2026 से यातायात शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही रेलवे की मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग क्रमांक बीके-09, किलोमीटर 1048/0-1 को स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के उप मुख्य अभियंता द्वारा जारी सूचना के अनुसार 31 मई 2026 को प्रातः 10 बजे से उक्त रेलवे फाटक सभी प्रकार के सड़क यातायात के लिए हमेशा के लिए बंद कर दिया जायेगा। इसके बाद बालाघाट-गर्रा एवं वारासिवनी मार्ग से आने-जाने वाले छोटे-बड़े सभी वाहनों का आवागमन नव निर्मित रोड ओव्हर ब्रिज से कराया जाएगा।

रोड ओव्हर ब्रिज शुरू होने से लंबे समय से लोगों को होने वाली परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है। पहले ट्रेन गुजरने के दौरान रेलवे फाटक बंद रहने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाती थी, जिससे यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को काफी समय तक इंतजार करना पड़ता था। अब आरओबी बनने से यातायात अधिक सुगम, सुरक्षित और तेज हो जाएगा। आरओबी निर्माण के दौरान बस, ट्रक एवं अन्य बड़े वाहनों का यातायात डेंजर रोड से डायवर्ट किया गया था। इससे भारी वाहनों को शहर में प्रवेश और बाहर निकलने में अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी। अब रोड ओव्हर ब्रिज शुरू होने के बाद बड़े वाहनों को डेंजर रोड से होकर आने-जाने की आवश्यकता नहीं होगी। बस, ट्रक और अन्य भारी वाहन सीधे रोड ओव्हर ब्रिज के माध्यम से बालाघाट शहर में प्रवेश कर सकेंगे तथा बाहर जा सकेंगे, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि आरओबी शुरू होने से शहर और आसपास के क्षेत्रों के बीच आवागमन में सुविधा बढ़ेगी तथा दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी। प्रशासन और रेलवे विभाग ने वाहन चालकों से अपील की है कि 31 मई के बाद पुराने रेलवे फाटक मार्ग का उपयोग न करें तथा निर्धारित डायवर्ट मार्ग एवं यातायात संकेतों का पालन करें, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
अजय रजक गढ़ी
मो. 84353 19391

ईद उल जुहा पर्व को लेकर परसवाड़ा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक सम्पन्न..

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

ईद उल जुहा पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में मनाए जाने को लेकर बीते दिन परसवाड़ा पुलिस थाना परिसर में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक नगर निरीक्षक मदन इवने की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत आपसी समन्वय, सामाजिक सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य के साथ की गई। नगर निरीक्षक मदन इवने ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि ईद उल जुहा त्याग, सेवा, समर्पण और भाईचारे का पर्व है, जिसे सभी समुदायों को मिल-जुलकर प्रेम एवं शांति के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि त्योहार समाज में एकता और सद्भाव का संदेश देते हैं तथा सभी नागरिकों का दायित्व है कि वे प्रशासन का सहयोग करते हुए क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखें।

उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक संदेश साझा करने से बचें। यदि किसी प्रकार की समस्या या विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है तो तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचना दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके और क्षेत्र में शांति बनी रहे।

बैठक में सरपंच गायत्री सुधीर कुमरे, जनपद उपाध्यक्ष कांति राहंगडाले, डॉ. जावेद सिद्दकी, संजय जैन, वसीम खान, विशाल महानंद, राकेश मिश्रा, हर्ष पाण्डेय, नरेंद्र पप्पू शरणागत, शेख इमरान, अशोक चावले, श्रीश अवधिया, एजाज खान, इमरान पीरू कुरैशी, परवेज खान, पीयूष कोचर, मनोज ब्रम्हे एवं आशीष अवधिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में ईद उल जुहा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने तथा प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

बैठक के दौरान नगर निरीक्षक मदन इवने ने साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि ईद उल जुहा के अवसर पर सार्वजनिक स्थलों, मस्जिदों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है।

इसके साथ ही यातायात व्यवस्था, पार्किंग, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। उन्होंने लोगों से अपील की कि त्योहार के दौरान सामाजिक सौहार्द बनाए रखते हुए प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

इस अवसर पर सहायक उपनिरीक्षक श्री अहिरवार, आरक्षक महेश पटले, गजेन्द्र पटले, श्री घोषी सहित थाना स्टाफ मौजूद रहा। पुलिस प्रशासन द्वारा पर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए जाने की जानकारी भी दी गई। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई, जहां सभी समाजों के लोगों ने आपसी भाईचारे, प्रेम और सहयोग की भावना के साथ ईद उल जुहा पर्व मनाने का संकल्प लिया।

बिरसा में तेंदुए की दस्तक से दहशत, वन विभाग की सतर्कता और जागरूकता से टला बड़ा हादसा..

जगप्रेरणा बिरसा/बालाघाट।

बिरसा तहसील क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब एक वन्य जीव तेंदुआ रिहायशी इलाके के आसपास दिखाई दिया। तेंदुए की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और घटनास्थल पर भीड़ एकत्र होने लगी।

स्थिति को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग एवं पुलिस प्रशासन की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। कई घंटों तक चले बचाव अभियान के दौरान वन विभाग के कर्मचारियों एवं ग्रामीणों ने सूझबूझ और साहस का परिचय दिया। लगातार निगरानी और प्रयासों के बाद तेंदुए को सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर खदेड़कर छोड़ दिया गया। इस दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी बिरसा दमोह श्री सौरभ शरणागत, सहायक रेंजर मुकेश घोरमारे, बीट गार्ड खेमराज नागेश्वर, संतराम उइके, देवेंद्र मड़ावी, निलेश गौतम,समस्त वन अमला, पुलिस कर्मियों एवं बिरसा ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा।

रेस्क्यू अभियान के दौरान स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब लोगों को सुरक्षित दूरी पर हटाया जा रहा था और अचानक तेंदुए ने अपनी दिशा बदल दी। बताया जा रहा है कि तेंदुआ शासकीय मॉडल स्कूल की प्राचार्या की ओर हमला कर दिया, जहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसी दौरान आम जनता को सरक्षित करने में व्यस्त श्री सौरभ शर्मा सर एवं विनय धुर्वे पर तेंदुए ने हमला कर दिया, जिससे दोनों के बाएं हाथ पैर में खरोंच आई। वहीं घटना में दो से तीन अन्य लोगों के भी हल्के रूप मे चोट से घायल होने की जानकारी सामने आई है। प्राथमिक उपचार के बाद सभी की स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

घटना के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है। वन परिक्षेत्र अधिकारी बिरसा दमोह श्री सौरभ शरणागत द्वारा वन क्षेत्र से लगे गांवों में लगातार चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। चौपाल के माध्यम से लोगों को वन्य जीवों से सुरक्षा एवं सावधानी के बारे में जानकारी दी जा रही है।

वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री शरणागत ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि रात के समय अकेले घर से बाहर न निकलें, विशेष रूप से जंगल से लगे क्षेत्रों में सावधानी बरतें। यदि किसी भी प्रकार का वन्य प्राणी दिखाई दे, उसकी आवाज सुनाई दे या किसी प्रकार की हलचल महसूस हो तो उसे छेड़ने या पकड़ने का प्रयास बिल्कुल न करें। तत्काल इसकी सूचना वन विभाग, वन परिक्षेत्र अधिकारी या संबंधित बीट गार्ड को दें, ताकि समय रहते सुरक्षा एवं बचाव कार्य किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार लोग उत्सुकतावश वन्य जीव के पास पहुंच जाते हैं, जिससे हादसे की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे समय में भीड़ ना लगाना और प्रशासन के निर्देशों का पालन करना बेहद जरूरी है। वन विभाग द्वारा लगातार क्षेत्र में निगरानी रखी जा रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

इस घटना के बाद ग्रामीणों में वन्य जीवों को लेकर डर जरूर है, लेकिन वन विभाग की तत्परता और जागरूकता अभियान के चलते लोगों में सुरक्षा को लेकर भरोसा भी बढ़ा है। स्थानीय लोगों ने भी वन विभाग और पुलिस प्रशासन की टीम के कार्य की सराहना की है।

जबलपुर में 18 जून को होगी पूर्व सैनिकों की राज्य स्तरीय रैली..

जगप्रेरणा बालाघाट।

पूर्व सैनिकों की राज्य स्तरीय रैली 18 जून को जबलपुर में आयोजित की जायेगी। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवा सेवा निवृत्त ग्रुप कैप्टन अमिताभ रावत से प्राप्त जानकारी के

अनुसार पूर्व सैनिकों, सैनिकों की विधवा एवं वीर नारियों के हित में आयोजित की जा रही यह रैली 1 एसटीसी के पास बत्रा ऑडिटोरियम में सुबह 9.45 बजे से शाम 4 बजे तक होगी।

जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा सभी पूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं एवं वीर नारियों से अनुरोध किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने पहचान पत्र के साथ रैली में उपस्थित होकर इसे सफल बनाएं।

गंगा दशमी पर डोंगरिया नाले में गूंजा जल संरक्षण का संदेश

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामीणों ने किया मेड बंधान, जल बचाने का लिया संकल्प..

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

गंगा दशमी पर्व के पावन अवसर पर परसवाड़ा क्षेत्र के ग्राम डोंगरिया में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ के अंतर्गत डोंगरिया नाले पर व्यापक स्तर पर मेड बंधान एवं जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, महिला समूहों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए जल संरक्षण एवं पर्यावरण सुरक्षा का सामूहिक संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान जल बचाने और प्रकृति संरक्षण का संदेश गूंजता रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम डोंगरिया स्थित गौशाला से महिलाओं द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा से हुई। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर श्रद्धा और उत्साह के साथ डोंगरिया नाले तक पदयात्रा की। यात्रा के दौरान धार्मिक जयघोष और जल संरक्षण के संदेशों से वातावरण भक्तिमय एवं जागरूकता से परिपूर्ण दिखाई दिया। नाले के समीप यात्रा का समापन हुआ, जहां भारत माता एवं माता सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

ग्राम सरपंच रीता उइके ने उपस्थित ग्रामीणों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी वर्षभर पानी उपलब्ध रहता था, वहां आज जल स्रोत सूखते जा रहे हैं। लगातार पेड़ों की कटाई, अनियमित वर्षा और घटते भूजल स्तर ने गंभीर स्थिति उत्पन्न कर दी है। उन्होंने कहा कि यदि अभी से जल संरक्षण की दिशा में ठोस प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में जल संकट और अधिक विकराल रूप ले सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि ÷जल है तो कल है, जल रहेगा तो जीवन रहेगा÷, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल सहेजने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना होगा।

जनपद उपाध्यक्ष कांति राहंगडाले ने कहा कि क्षेत्र के कई स्टॉप डैम और तालाब पूरी तरह सूख चुके हैं, जिससे मवेशियों तक के लिए पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा जल स्रोतों की साफ-सफाई एवं संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

जनपद अध्यक्ष समल सिंह धुर्वे ने गंगा दशमी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसी दिन राजा भागीरथ की कठोर तपस्या से मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। उन्होंने कहा कि गंगा दशमी केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि जल के महत्व को समझने और उसे संरक्षित करने का भी संदेश देता है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेशभर में ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत परसवाड़ा क्षेत्र की 57 पंचायतों में नदी, नाले, तालाब एवं स्टॉप डैमों में जल संरक्षण को लेकर जनजागरूकता और श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए कई स्टॉप डैम आज सूखे पड़े हैं। ग्राम डोंगरिया के समीप बने स्टॉप डैम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि लाखों रुपये की लागत से बने इस बांध में आज ÷पांच बाल्टी पानी÷ भी नहीं बचा है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यदि जल संरक्षण के प्रति समाज गंभीर नहीं हुआ तो आने वाली पीढ़ियों को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि जल संरक्षण के साथ-साथ अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाएं, क्योंकि वृक्ष ही जल स्रोतों को जीवित रखने का सबसे बड़ा माध्यम हैं।

जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटेल ने कहा कि पहले ग्रामीण स्वयं कुओं, तालाबों, पोखरों एवं जल स्रोतों की साफ-सफाई कर उन्हें संरक्षित रखते थे। गांवों में सामूहिक श्रमदान की परंपरा थी, जिसके कारण गर्मी के मौसम में भी जल संकट कम देखने को मिलता था। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में लोगों ने यह जिम्मेदारी पूरी तरह शासन पर छोड़ दी है, जिसके कारण जल स्रोत उपेक्षित होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल संकट से बचने के लिए समाज को फिर से सामूहिक सहभागिता की पुरानी परंपरा को अपनाना होगा।

उद्बोधन के पश्चात सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने डोंगरिया नाले के समीप विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद कुदाल से मिट्टी खुदाई कर मेड बंधान कार्य प्रारंभ किया गया। जनपद अध्यक्ष समल सिंह धुर्वे, जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी धन्नाराम उइके सहित अन्य अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने श्रमदान करते हुए मिट्टी सिर पर उठाकर मेड निर्माण किया। कार्यक्रम के दौरान स्टॉप डैम एवं उसके आसपास साफ-सफाई अभियान भी चलाया गया, ताकि वर्षा जल का बेहतर संरक्षण किया जा सके।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी धन्नाराम उइके ने कहा कि जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि गांव के तालाब, कुएं और स्टॉप डैमों की नियमित साफ-सफाई एवं संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक गांव अपने जल स्रोतों को संरक्षित करने का संकल्प ले ले, तो भविष्य में जल संकट की स्थिति को काफी हद तक रोका जा सकता है।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष समल सिंह धुर्वे, जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटेल, जनपद उपाध्यक्ष कांति राहंगडाले, सरपंच रीता उइके, रमेश पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी धन्नाराम उइके, एसडीओ श्री चतुर्वेदी, उपयंत्री सुनील पटेल, आजीविका मिशन समन्वयक संदीप चौरसिया, सचिव संतोष घोरमारे, रोजगार सहायक हेमंत पंचतिलक, जन अभियान परिषद के टहलसिंह पटले, दिनेश वरकड़े सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण माताएं, बहनें एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने का सामूहिक संकल्प लिया। ग्रामीणों ने यह भी निर्णय लिया कि गांव के जल स्रोतों की नियमित निगरानी एवं साफ सफाई की जाएगी तथा वर्षा जल संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया गया जल गुणवत्ता जांच प्रशिक्षण

नैतरा, कंजई और पांढरवानी सेक्टर की 82 कार्यकर्ताओं ने सीखी एफटीके से पानी जांचने की प्रक्रिया..

जगप्रेरणा लालबर्रा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) उपखंड लालबर्रा द्वारा 27 मई 2026 को जनपद पंचायत लालबर्रा में महिला एवं बाल विकास विभाग के नैतरा, कंजई और पांढरवानी सेक्टर

की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए फील्ड टेस्टिंग किट (एफटीके) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का संचालन ब्लॉक समन्वयक परमानंद ठाकरे द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण में तीनों सेक्टर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पेयजल गुणवत्ता जांच की जानकारी दी गई। इस दौरान 82 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की एफटीके यूजर आईडी भी बनाई गई। यह कार्य लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट से हरीश झा, शीतल मिश्रा तथा ब्लॉक समन्वयक फनीश रंगारे, श्रुति डहाटे, रानी सिंह राजपूत, परमानंद ठाकरे एवं आईएसए नई रोशनी से हिमांशु डोहरे के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं को फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से पानी की गुणवत्ता जांचने का लाइव डेमो दिया गया। आंगनवाड़ी केंद्रों एवं स्कूलों से लाए गए पानी के नमूनों की मौके पर ही जांच कर यह बताया गया कि पानी में मौजूद विभिन्न तत्वों की पहचान कैसे की जाती है। प्रशिक्षण में कार्यकर्ताओं को पानी की जांच के प्रमुख मानकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिनमें श्च॥ मान, फ्लोराइड की मात्रा, आयरन (लोहा) की मात्रा तथा पानी की कठोरता (हार्डनेस) शामिल रहे।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग लालबर्रा के पर्यवेक्षक सहायक यंत्री श्री विजय तिवारी ने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे मानसून पूर्व अपने-अपने क्षेत्रों में कुओं, हैंडपंपों एवं नल-जल योजनाओं के पानी की जांच अनिवार्य रूप से करें, ताकि जलजनित बीमारियों से बचाव किया जा सके। वहीं उपयंत्री श्री भूपेंद्र मरकाम ने निर्देश दिए कि प्रत्येक पेयजल स्रोत की वर्ष में कम से कम दो बार, मानसून से पहले और बाद में, गुणवत्ता जांच अवश्य की जाए।

प्रशिक्षण के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्वयं रुचि लेकर अपने-अपने क्षेत्रों से लाए गए पेयजल स्रोतों की जांच की। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि इस पहल से ग्राम स्तर पर जल गुणवत्ता निगरानी व्यवस्था मजबूत होगी और आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों तथा गांवों में बच्चों एवं नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट से जिला समन्वयक पीएमयू शीतल मिश्रा एवं हरीश झा, उपखंड से ब्लॉक समन्वयक रानी सिंह राजपूत, श्रुति डहाटे, फनीश रंगारे तथा आईएसए नई रोशनी से हिमांशु डोहरे उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी लालबर्रा श्रीमती रानू शिवहरे का कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
पिंटू गुप्ता तिरोड़ी
मो. 8770664297

चाय की छोटी दुकान से आत्मनिर्भरता की बड़ी मिसाल बने विजय कुम्हरे..

पीएम स्वनिधि योजना ने बदली वारासिवनी के युवा व्यवसायी की जिंदगी

जगप्रेरणा बालाघाट।

मेहनत, ईमानदारी और सरकार की जनहितैषी योजना का सही उपयोग किसी भी व्यक्ति की जिंदगी बदल सकता है। इसका जीवंत उदाहरण हैं वारासिवनी नगर के वार्ड क्रमांक 12 निवासी विजय कुम्हरे,

जिन्होंने एक छोटी सी चाय दुकान से अपने संघर्ष की शुरुआत कर आज आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। विजय कुम्हरे एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं। उनके पिता श्री आनंदकर कुम्हरे ने हमेशा उन्हें मेहनत और स्वाभिमान के साथ जीवन जीने की सीख दी। परिवार के भरण-पोषण के लिए विजय ने वारासिवनी के वार्ड क्रमांक 08 स्थित चावड़ी के सामने एक छोटी चाय दुकान शुरू की थी। रोज सुबह जल्दी दुकान खोलना, चाय बनाना और ग्राहकों की सेवा करना ही उनकी दिनचर्या थी।

सीमित संसाधनों और कार्यशील पूंजी की कमी के कारण वे अपनी दुकान का विस्तार नहीं कर पा रहे थे। इसी दौरान केंद्र सरकार द्वारा छोटे रेहड़ी-पटरी एवं सड़क किनारे व्यवसाय करने वाले लोगों के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना शुरू की गई। नगर पालिका परिषद वारासिवनी से योजना की जानकारी मिलने पर विजय ने 10 हजार रुपये के प्रथम चरण के ऋण के लिए आवेदन किया। बिना किसी गारंटी और जटिल प्रक्रिया के उन्हें यह राशि प्राप्त हुई।

इस सहायता से विजय ने अपनी दुकान के लिए बेहतर कच्चा माल खरीदा, नए कप-प्लेट लिए और ग्राहकों के बैठने की व्यवस्था में सुधार किया। मेहनत और लगन के साथ उन्होंने समय पर ऋण की किश्तें जमा करना शुरू किया। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने दुकान पर क्यूआर कोड भी लगाया, जिससे ग्राहकों से ऑनलाइन भुगतान लेना आसान हुआ। इसके साथ ही उन्हें कैशबैक और ब्याज अनुदान का लाभ भी मिलने लगा। समय पर पहला ऋण चुकाने के बाद विजय को योजना के दूसरे चरण में 20 हजार रुपये का ऋण मिला। इस राशि से उन्होंने अपनी दुकान में स्नैक्स और बिस्कुट की नई वैरायटी शुरू की। इससे ग्राहकों की संख्या बढ़ी और उनकी आमदनी में भी अच्छा इजाफा हुआ।

विजय की ईमानदारी, नियमित भुगतान और बेहतर साख को देखते हुए उन्हें योजना के तीसरे चरण में 50 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस राशि से उन्होंने अपनी चाय दुकान को आधुनिक और सुव्यवस्थित रूप दिया। अब उनकी दुकान पहले से कहीं अधिक आकर्षक और सुविधायुक्त हो चुकी है। उनकी आर्थिक स्थिति भी काफी मजबूत हुई है। वर्तमान में 50 हजार रुपये के ऋण की केवल तीन किश्तें शेष हैं, जिन्हें वे समय पर चुकाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

आज विजय कुम्हरे वारासिवनी के छोटे व्यापारियों और युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। उन्होंने साबित कर दिया है कि यदि व्यक्ति दृढ़ संकल्प, मेहनत और ईमानदारी के साथ सरकारी योजनाओं का लाभ ले, तो आत्मनिर्भर बनना कठिन नहीं है। विजय और उनका परिवार आज सम्मानजनक और खुशहाल जीवन जी रहा है। वे इस बदलाव के लिए नगर पालिका प्रशासन, बैंक प्रबंधन एवं प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से आत्मनिर्भर बनीं शारदा सोनवाने

जगप्रेरणा बैहर।

नगर परिषद बैहर, जिला बालाघाट की निवासी शारदा सोनवाने की सफलता की कहानी आज उन हजारों छोटे व्यवसायियों के लिए प्रेरणा बन गई है,

जो कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर अपने जीवन को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। श्रीमति शारदा सोनवाने अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए सड़क किनारे एक छोटी सी सब्जी की दुकान संचालित करती थीं। उनके परिवार में चार सदस्य हैं और परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। सीमित आय के कारण जीवन पहले ही संघर्षपूर्ण था, लेकिन कोरोना महामारी और लॉकडाउन ने उनकी आर्थिक स्थिति को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया। दुकान बंद होने से आमदनी रुक गई और परिवार का खर्च चलाना भी कठिन हो गया। इसी दौरान नगर परिषद बैहर के कर्मचारियों द्वारा उन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की जानकारी दी गई। योजना के बारे में जानने के बाद उन्होंने आवेदन किया और उन्हें प्रथम चरण में 10 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस सहायता राशि ने उनके जीवन में उम्मीद की नई किरण जगाई। उन्होंने इस राशि का उपयोग अपनी सब्जी की दुकान को दोबारा शुरू करने और व्यापार को व्यवस्थित करने में किया।

श्रीमति शारदा सोनवाने ने मेहनत और लगन के साथ अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया। समय पर ऋण चुकाने और व्यवसाय को निरंतर जारी रखने के कारण उन्हें दूसरे चरण में 20 हजार रुपये तथा तीसरे चरण में 50 हजार रुपये का ऋण भी प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहयोग से उन्होंने अपने व्यापार का विस्तार किया और नगर परिषद के सब्जी मार्केट में अपनी दुकान को बेहतर तरीके से संचालित करना शुरू किया।

धीरे-धीरे उनकी आमदनी बढने लगी और परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया। अब वे न केवल अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं, बल्कि बच्चों के भविष्य के लिए बचत भी कर रही हैं। कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करने वाली शारदा सोनवाने आज आत्मनिर्भर बनकर आत्मविश्वास के साथ अपना जीवन आगे बढ़ा रही हैं।

श्रीमति शारदा सोनवाने का कहना है कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना उनके लिए किसी संजीवनी से कम नहीं रही। इस योजना ने उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाया और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की यह योजना छोटे व्यवसायियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की नई राह दिखा रही है।

गोगलाई और भामोड़ी में अवैध रेत भंडारण व परिवहन पर खनिज, राजस्व, पुलिस एवं आरटीओ की संयुक्त छापामार कार्रवाई

40 ट्रॉली रेत निजी भूमि में, 30 ट्रॉली शासकीय भूमि पर और 8 ट्रॉली घर में मिली..

11 ट्रैक्टर पर भी की गई कार्रवाई..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में अवैध रेत खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 26 मई 2026 को तहसील बालाघाट अंतर्गत ग्राम गोगलाई एवं भामोड़ी में परिवहन विभाग,

खनिज विभाग, राजस्व अमले, थाना प्रभारी नवेगांव, पुलिस लाइन बालाघाट के पुलिस बल द्वारा संयुक्त रूप से छापामार कार्रवाई की गई।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि कार्रवाई के दौरान ग्राम गोगलाई में दुर्गेश पिता दशरथ लिल्हारे के बाउंड्रीवॉल परिसर के अंदर लगभग 40 ट्रॉली खनिज रेत का अवैध भंडारण पाया गया। वहीं शासकीय भूमि पर करीब 30 ट्रॉली रेत का भंडारण मिला। इसके अलावा मंगल मेश्राम पिता होलिया मेश्राम के घर में लगभग 8 ट्रॉली रेत संग्रहित पाई गई।

जांच के दौरान संबंधित व्यक्तियों द्वारा खनिज रेत के भंडारण से संबंधित कोई वैध अनुमति अथवा रॉयल्टी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके बाद प्रशासनिक अमले ने नियमानुसार समस्त रेत को जप्त कर ग्राम गोगलाई के कोटवार की सुपुर्दगी में सौंप दिया।

संयुक्त टीम ने कार्रवाई के दौरान ग्राम गोगलाई एवं भामोड़ी क्षेत्र में परिवहन विभाग की सहायता से अवैध परिवहन में प्रयुक्त 11 ट्रैक्टर भी पकड़े हैं, जिनमें 9 ट्रेक्टर ट्रॉली सहित शामिल हैं। इनमें कई वाहन बिना नंबर के संचालित पाए गए, जिन पर मोटरयान अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक नियमों के तहत कार्रवाई की गई है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जप्त रेत एवं वाहनों के संबंध में आगे की कार्रवाई म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत गांव-गांव पहुंचा कृषि रथ

किसानों को दी गई ई-टोकन प्रणाली, डीएसआर तकनीक और प्राकृतिक खेती की जानकारी..

जगप्रेरणा बालाघाट।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत जिले में किसानों को आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि रथ अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में 27 मई 2026 को लालबर्रा विकासखंड के ग्राम मोहगांव-ध एवं मांझापुर, बैहर विकासखंड के ग्राम पिपरिया एवं गोहारा तथा परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम उमरिया में कृषि रथ का आगमन हुआ।

कृषि रथ के माध्यम से किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं, आधुनिक खेती की तकनीकों एवं खरीफ सीजन की तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान कृषि वैज्ञानिक श्री अतुल श्रीवास्तव ने किसानों को ई-टोकन प्रणाली की जानकारी देते हुए बताया कि यह व्यवस्था किसानों को कृषि उपज विक्रय एवं अन्य विभागीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और सुविधा प्रदान करेगी।

उन्होंने किसानों को डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) तकनीक के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि डीएसआर पद्धति से धान की सीधी बुवाई करने पर पानी की बचत होती है, मजदूरी खर्च कम आता है तथा कम समय में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। बदलते मौसम और कम वर्षा की संभावना को देखते हुए यह तकनीक किसानों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है।

कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। किसानों को रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के सीमित उपयोग, जैविक घोल, जीवामृत एवं गोआधारित खेती अपनाने की सलाह दी गई। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, उत्पादन लागत कम होती है तथा फसल की गुणवत्ता में सुधार होता है।

कृषि रथ कार्यक्रम के दौरान किसानों को खेती को लाभकारी बनाने के उपायों की जानकारी देते हुए फसल विविधीकरण, कम लागत में अधिक उत्पादन, जल संरक्षण एवं वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित किया गया। किसानों ने भी कृषि विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर चर्चा कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया। ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचे कृषि रथ को किसानों ने उपयोगी पहल बताते हुए विभाग की इस जागरूकता गतिविधि की सराहना की।

खरीफ 2026 में सामान्य से कम वर्षा की संभावना, कृषि विभाग ने किसानों को जारी की सलाह..

कम पानी और कम अवधि वाली फसलों को अपनाने तथा डीएसआर तकनीक से धान बोने की अपील

जगप्रेरणा बालाघाट।

खरीफवर्ष 2026 में सामान्य से कम वर्षा तथा लंबे ड्राई स्पेल (बारिश रुकने की स्थिति) की संभावना को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों के लिए विशेष सलाह जारी की है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के साउथ वेस्ट मानसून 2026 के पूर्वानुमान के आधार पर जिले के अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना जताई गई है। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि पूर्वानुमान के अनुसार बैहर-गढ़ी क्षेत्र में 65 से 75 प्रतिशत तक सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। बिरसा क्षेत्र में 55 से 65 प्रतिशत तक कम बारिश का अनुमान है। वहीं लांजी, किरनापुर, कटंगी और तिरोड़ी क्षेत्रों में 34 से 45 प्रतिशत तक सामान्य से अधिक वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। लालबर्रा, वारासिवनी, खैरलांजी एवं परसवाड़ा के कुछ क्षेत्रों सहित जिले के लगभग 60 से 70 प्रतिशत हिस्से में सामान्य से कम वर्षा होने की आशंका बताई गई है।

कृषि विभाग ने किसानों को कम पानी और कम अवधि वाली फसलों को अपनाने की सलाह दी है। विभाग के अनुसार अरहर, मूंग, उड़द, तिल, रामतिल, रागी, कोदो, कुटकी, मक्का, सूरजमुखी, अरबी, सूरन तथा कम अवधि वाली सोयाबीन और धान की किस्में इस स्थिति में बेहतर विकल्प साबित हो सकती हैं। किसानों को बोवार, छिड़काव पद्धति, लाइन से सीधी बुवाई एवं डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) तकनीक अपनाने की सलाह दी गई है। जिन किसानों के पास सिंचाई के साधन उपलब्ध हैं, उन्हें कम अवधि वाली धान की किस्मों की सीधी बुवाई या डीएसआर तकनीक से खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। विभाग का कहना है कि इस तकनीक से कम बारिश की स्थिति में भी धान की खेती अधिक आसान और कम लागत वाली हो सकती है।

कृषि विभाग द्वारा कम अवधि वाली धान की कई उन्नत किस्मों की जानकारी भी किसानों को दी गई है। इनमें एमटीयू-1010, जेआरएच-19, जेआरएच-8, जेआरएच-5, जेआरएच-4, जेआर-81, जेआर-21, जेआर-10 एवं जेआर-216 प्रमुख हैं, जिनकी अवधि लगभग 100 से 125 दिनों के बीच है। इन किस्मों के प्रमाणित बीज जिले के सभी विकासखंडों के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालयों में उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा शासकीय कृषि प्रक्षेत्र पिपरझरी (किरनापुर), किन्ही (खैरलांजी), गढ़ी (बैहर) तथा कृषि विज्ञान केंद्र बडगांव में भी बीज उपलब्ध हैं। मोटे बीज वाली धान 41.20 रुपये प्रति किलो तथा बारीक बीज वाली धान 42.30 रुपये प्रति किलो की दर से किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है। कृषि विज्ञान केंद्र बडगांव में ब्रीडर सीड 93 रुपये प्रति किलो की दर से उपलब्ध है। कृषि विभाग ने किसानों से मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक सलाह के अनुसार फसल चयन एवं बुवाई करने की अपील की है, ताकि कम वर्षा की स्थिति में भी उत्पादन और आय को सुरक्षित रखा जा सके।

कोसुम्बा में धूमधाम से मना गंगा दशहरा उत्सव, तालाब में श्रमदान कर दिया 'जल ही जीवन है' का संदेश..

जगप्रेरणा कटंगी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कटंगी के तत्वावधान में सेक्टर क्रमांक-05 महकेपार के ग्राम कोसुम्बा में सोमवार को गंगा दशहरा उत्सव पूरे धार्मिक उल्लास एवं जनभागीदारी के साथ मनाया गया।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया तथा जल स्त्रोतों को बचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम के बड़े तालाब में जल एवं कलश पूजन के साथ हुई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के उपसरपंच अरविंद टांडेकर, भूतपूर्व सरपंच श्रीमती अनीता आम्बाडारे एवं पंचगणों की उपस्थिति में ग्रामीणों और समिति सदस्यों ने तालाब परिसर में श्रमदान किया। सभी ने मिलकर तालाब एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई कर स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया।

इसके बाद जल संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उपसरपंच अरविंद टांडेकर ने कहा कि जल अनमोल है और इसका संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हमें पानी की बर्बादी रोककर आने वाली पीढियों के लिए जल स्त्रोतों को सुरक्षित रखना होगा। वहीं नवांकुर संस्था के अध्यक्ष युवराज मुर्खे ने कहा कि जल हमारे जीवन का आधार है। यदि आज जल संरक्षण नहीं किया गया तो भविष्य में गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने सभी ग्रामीणों से वर्षा जल संचयन एवं जल स्त्रोतों की सुरक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया। संगोष्ठी के समापन के बाद तालाब से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जो गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए शिव मंदिर कोसुम्बा पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसादी का वितरण किया गया। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर शाम को शिव मंदिर परिसर में संगीतमय भजन संध्या का आयोजन भी किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में नवांकुर संस्था कोसुम्बा, ग्राम विकास समिति एवं प्रस्फुटन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन में खेमराज मुर्खे, हरीश खोब्रागड़े, श्यामराव मुर्खे, गुलाब राऊत, हरिचंद लाडे, ग्राम पंचायत सचिव नंदलाल पारधी, प्रेमलाल खोबरागड़े, समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यगण, सीएमसीएलडीपी छात्र विनोद बाविशताले सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जग प्रेरणा
लांजी किरनापुर
● हिर्री ● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● बहेला ● रिसेवाड़ा ● कारंजा ● साडरा

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
संजय टेंभरे लांजी
मो. 7697505999

विज्ञापन आमंत्रित है.. संपर्क - 9329033433

चौंदाटोला-जुनवानी मार्ग निर्माण को लेकर ग्रामीणों का धरना आंदोलन शुरू

मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से बनेगा मार्ग - विधायक करहिे..

जगप्रेरणा लांजी।

जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत टेमनी के चौंदाटोला से जूनेवानी तक सडक़ निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन लगातार जारी है।

26 मई से चौंदाटोला चौक पर ग्रामीण भीषण गर्मी और नौतपा के बीच धरना प्रदर्शन पर बैठे हुए हैं। ग्रामीणों की मांग है कि लंबे समय से जर्जर पड़ी सडक़ का निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग कई गांवों को जोडऩे वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जहां प्रतिदिन स्कूली छात्र-छात्राएं, किसान, मरीज एवं आम नागरिक आवागमन करते हैं। सडक़ की खराब स्थिति के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में हालात और भी बदतर हो जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

बोले विधायक राजकुमार करहिे..

धरना प्रदर्शन के बीच क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करहिे का भी बयान सामने आया है। विधायक ने कहा कि चौंदाटोला-जूनेवानी सडक़ निर्माण कार्य की स्वीकृति मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से प्राप्त हो चुकी है तथा जल्द ही निर्माण प्रक्रिया प्रारंभ कराई जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि क्षेत्र की जनता को जल्द बेहतर सडक़ सुविधा मिलेगी।

विधायक राजकुमार करहिे ने इस विषय पर मीडिया से चर्चा करते हुये बताया कि उक्त मार्ग मेरे संज्ञान मे है और पहले भी मै आश्वस्त कर चुका हु कि मार्ग का निर्माण अतिशिघ्र करवाया जायेगा। हमे जो मुख्यमंत्री विशिष्ट निधी प्राप्त होती है उसी से हमने 1 करोड़ 63 लाख रूपये उक्त मार्ग के निर्माण के लिये स्वीकृत किये है। आपने बताया कि उक्त सडक़ के निरीक्षण के लिये पूरे शासकीय अमले के साथ मै वहां गया था तथा ग्रामीणों को कहा कि हम इस मार्ग को जल्द बनायेंगे। मै ग्रामीण जनों के यह भी बतादु की मार्ग के लिये 1 करोड़ 63 लाख रूपये की एएनसी हो चुकी है। एएस होना बाकि जो कि जल्द हो जायेगा।

इसके अलावा अन्य सडक़े भी शामिल है। जैसे ही इन मार्गो का एएस हो जायेगा तो टेण्डर भी लग जायेगा। साथ ही यह भी जानकारी दे दु की इस सडक़ को प्रधानमंत्री सडक़ योजना से भी जुड चुका है जो कि लगभग 1 किमी है लेकिन हमने जो सीएम विशिष्ट निधी से स्वीकृत कराया गया है उसमें चौंदाटोला से लेकर जुनेवानी और जुनेवानी से लेकर हमारी मुख्य सडक़ आगे बढती है रानककोड़ी तक यह सडक़ का निर्माण होगा जिससे ग्रामीण जनों को भरपुर लाभ प्राप्त होगा। मेरी धरना कर रहे लोगों से अपील है की धैर्य बनाये रखे सरकार आपके साथ है जल्द ही आपकी समस्या का निराकरण होगा।

धरना प्रदर्शन कर रहे लोगो में कविता महेश मात्रे, लक्ष्मण कावरे,गेंदलाल पंचाले, भक्तकुमार कावरे, ईश्वर नागफंसे, अमरदास कावरे, अरुण गेडाम, तिजलाल बाहें, श्यामलाल बाहें, मुरारीलाल कुम्भरे, संदीप पंद्रे, मोहन नागफंसे, जितेंद्र कावरे, दुर्गेश मात्रे, नेतलाल पांचें, खेमलाल मात्रे, गणपत मात्रे, गजेंद्र खरे, फूलचंद कावरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अवैध रेत का फल फूल रहा व्यापार, जिम्मेदारों ने मूंदी आँखे नुकसानी पर महिला ने थाने में की शिकायत

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी पुलिस अनुविभाग क्षेत्र में रोजाना अवैध रेत के कारोबार को लेकर शिकायतें प्राप्त हो रही है वहीं अनुभाग के बहेला थाना क्षेत्र मे रोजाना डंपरो से अवैध रेत का कारोबार फल फुल रहा है। बतादे कि बहेला क्षेत्र जो कि महाराष्ट्र राज्य से लगा हुआ है यहां पर पास में ही महाराष्ट्र के

गल्लाटोला से अंधियाटोला होते हुये रोजाना रेत से भरे डंपरो को देखा जा सकता है। थाना क्षेत्र के कुछ ग्रामो जिनमें प्रमुख रूप से रिसेवाड़ा सहित अन्य ग्राम में डंपरो से रेत सप्लाई कर डंप की जा रही है तथा डंप के उपरांत ट्रक्टरो से रेत का कारोबार किया जा रहा है। वहीं यह डंपर लोगों के घरो के पास से गुजर कर सामग्री को भी नुकसान पंहुचा रहे है।

महिला ने बहेला थाना में आवेदन देकर की शिकायत..

बहेला थाना क्षेत्र के ग्राम सावरीखुर्द आसोलीटोला निवासी हिरीयाबाई पति झनकलाल लिल्हारे एवं उनके पुत्र लोकेश लिल्हारे ने बहेला थाना में एक आवेदन प्रस्तुत किया जिसमें लेख है कि 27 मई 2026 को सुबह 9 बजे एक रेत सें भरा डंपर क्रमांक एमएच 35 एजे 6777 के द्वारा मेरे घर के सामने जबरन डंपर वाहन को लेकर गये, हमारे द्वारा मना किये जाने के बाद भी डंपर चालक ने वाहन को नही रोका और घर के सामने बिछी पाईप लाईल को नुकसान पंहुचाया है। जबकि जिस स्थान से डंपर ले जाया जा रहा था वह हमारा निजी स्थान है कोई रोड नही है लेकिन डंपर चालक के द्वारा जबरन वाहन को ले जाया गया जिससे पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हुई है। वहीं महिला ने बताया कि रेत के डंपर ले जाने को लेकर कुछ लोगों के द्वारा हमारे साथ धक्का मुक्की भी की गई है। जिसकी शिकायत महिला एवं पुत्र ने बहेला थाना प्रभारी को की है। अब देखना है कि इस अवैध रूप से रेत के कारोबार को बहेला पुलिस प्रतिबंध लगा पाती है कि नही।

रेत डंप कर उंचे दामों में बेची जा रही रेत..

महाराष्ट्र से डंपरो से रेत बहेला थाना क्षेत्र के ग्रामो में लाकर डंप की जा रही है तथा ट्रैक्टरो से रेत का कारोबार फल फुल रहा है। जिसके चलते गरीबो को अधिक दामों में रेत खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि क्षेत्र में अनेको निर्माण कार्य संचालित है जिन्हे वैद्य रूप से रेत नही मिल पा रही है तथा रेत माफियाओं के द्वारा इस मजबूरी का फायदा उठाकर अधिक दामों मे रेत बेची जा रही है। ग्रामीण जनता ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि इस अवैध रेत के कारोबार पर शिकंजा कसा जाये तथा वैध रूप से रेत का संचालन प्रारंभ किया जाये।

सुश्रृत क्षारसुत्र व आयुर्वेद पंचकर्म सेंटर

● मुळव्याध (बवासीर) ● भगंदर (नासुर)
● फिशर ● कड निकलना व अन्य गुदारोग

अत्याधुनिक व्हेसल सिलर, लेजर व क्षारसुत्र द्वारा दर्दरहित सफल चिकित्सा

व्हेसल सिलर मशिन

व्हेसल सिलर क्लैम्प

लेजर

डॉ. कमलापती खोब्रागडे
BAMS, M.S. (Scholar) CCKS (Guj)
मुळव्याध, भगंदर व गुदारोग विशेषज्ञ

डॉ. सौं. अपर्णा खोब्रागडे
BAMS, D.P.C. (Mumbai)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक

साकेत पब्लिक स्कुल के पास, गणेश नगर, गोंदिया (महाराष्ट्र)
मोबा. 09823021274

किरनापुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न, सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाएं ईद-उल-अजहा

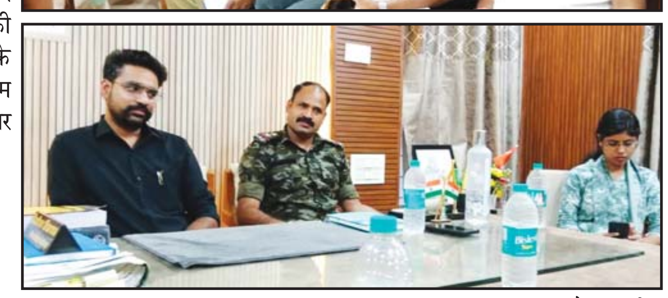

जगप्रेरणा किरनापुर।

आगामी पवित्र त्योहार ईद-उल-अजहा (बकरीद) को क्षेत्र में शांति, आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से स्थानीय किरनापुर थाना परिसर में शांति समिति की एक

महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व स्थानीय थाना प्रभारी (TI) और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में हुई, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, हिंदू-मुस्लिम समुदाय के प्रमुख लोग और पत्रकार बंधु शामिल हुए।

कानून व्यवस्था और नियमों के पालन पर जोर..

बैठक के दौरान अधिकारियों ने शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी और सभी से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए यह तय किया गया कि कुर्बानी का कार्य खुले स्थानों या सड़कों पर न करके, निर्धारित और पर्दे वाले स्थानों पर ही किया जाए। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि त्योहार के दौरान पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रशासन ने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की भ्रामक, आपत्तिजनक या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली पोस्ट या अफवाह न फैलाएं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की बात कही गई।

प्रबुद्ध नागरिकों ने दिया सहयोग का आश्वासन..

बैठक में उपस्थित दोनों समुदायों के वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि किरनापुर में हमेशा से सभी त्योहार मिल-जुलकर मनाए जाते रहे हैं और इस बार भी ईद-उल-अजहा का पर्व पूरी अकीदत, शांति के साथ मनाया जाएगा।

अधिकारियों की अपील..

त्योहार खुशियां बांटने का जरिया हैं। कानून और नियमों के दायरे में रहकर त्योहार मनाएं। पुलिस प्रशासन आपकी सुरक्षा और सहयोग के लिए 24 घंटे तत्पर है। किसी भी अप्रिय स्थिति या अफवाह पर ध्यान न दें और तुरंत थाने को सूचित करें। बैठक के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

त्याग और बलिदान का त्यौहार, ईद उल अजहा आज, नमाज अदा कर मनाएंगे बकरीद..

जगप्रेरणा लांजी।

त्याग और बलिदान का त्योहार ईद- उल- अजहा आज 28 मई गुरूवार को मनाया जा रहा है। इसको लेकर लांजी नगर के बाजारों में खरीदारों की भीड़ दिखाई पड़ी । परिजनों को नए कपड़े दिलाने के साथ लोग टोपी, इत्र, सेवई आदि की खरीदारी करते भी दिखे।

महिलाएं भी पर्व के लिए घरेलू उपयोग की सामग्री की खरीदारी करने के लिए बाजार पहुंच रही है। अरब और पश्चिमी देशों में जिस दिन ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जाता है। ठीक उसके एक दिन बाद ही भारत में ये त्योहार बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है। इस दिन मुस्लिम समाज के लोग बकरे की कुर्बानी देते हैं। इसके बाद जानवर के गोश्त को गरीबों और रिश्तेदारों में बांटा जाता है। इस्लाम धर्म का त्योहार ईद-उल-अजहा या ईद-उल-जुहा यानी बकरीद सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है । दुनियाभर में मुस्लिमों के जरिए इस्लामिक कैलेंडर के आखिरी महीने जिल हिज की 10 तारीख को बकरीद मनाई जाती है, जिल हिज महीने की 8 तारीख से हज शुरू होता है और 13 तारीख को खत्म हो जाता है।

इस बीच 10 तारीख को दुनियाभर में ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जाता है अंग्रेजी कैलेंडर के हिसाब से तारीख में हमेशा बदलाव देखने को मिलता रहता है। बतादे कि पर्व को लेकर लांजी पुलिस थाने में मुस्लिम समुदाय के लोगो के साथ तहसीलदार लांजी एवं थाना प्रभारी लांजी के द्वारा बैठक कर, क्षेत्र की सभी मस्जिदो में होने वाली नमाज सहित अन्य जानकारी ली गई। पर्व को लेकर मुस्लिम समुदाय के द्वारा आवश्यक जानकारियॉ अधिकारियों से साझा कि गई ताकि तदोनुसार बंदोबस्त लगाया जा सके। अधिकारियो ने ईद पर्व की शुभकामनाऐं प्रेषित कर बैठक समाप्त की।

गंगा दशहरा पर घंसा में जल गंगा संवर्धन अभियान, ग्रामीणों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

जगप्रेरणा लांजी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति घंसा विकासखंड लांजी द्वारा गंगा दशहरा के अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदी, तालाब एवं कुओं के संरक्षण का संदेश देने हेतु कलश यात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला समन्वयक सुशील वर्मन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।कलश यात्रा के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों के संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विजय हटीले ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और इसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

उन्होंने ग्रामीणों को जल के सदुपयोग तथा कुओं, तालाबों और नदियों के संरक्षण के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज कुओं की दुर्दशा, सूखते सहायक नाले, वर्षभर बहने वाली नदियों का घटता जलस्तर और अटते तालाब मानव लापरवाही का परिणाम हैं। यदि समय रहते जल संरक्षण की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में पेयजल संकट और गहराएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लोग महंगे दामों पर पानी खरीदने को मजबूर हो रहे हैं और आने वाले समय में पानी पर होने वाला खर्च भोजन के खर्च से भी अधिक हो सकता है। इसलिए सभी को मिलकर जल बचाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल स्त्रोत सुरक्षित रखने का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम की रूपरेखा नंदकिशोर गिरिया ने प्रस्तुत करते हुए कहा कि मानव जीवन के लिए जल, वायु, आकाश और पृथ्वी की शुद्धता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है तथा प्रस्फुटन समिति द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान समाजहित में सराहनीय पहल है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में काशी दास गिरिया उपस्थित रहे। इसके अलावा संग्राम गिरिया, खेमदास गिरिया, गणेश लिल्हारे सहित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं शुभम गेडाम, अनीमा लिल्हारे, किरण चौहान तथा बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं ग्रामीणजन शामिल हुए।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सोमग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 93290-33433

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 94070 33433

आम जनमानस को समर्पित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के पिछले 12 वर्ष

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पिछले 12 वर्ष अनेक दृष्टियों से परिवर्तनकारी तथा यादगार रहे हैं। वर्ष 2014 में देश की बागडोर संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने शासन को केवल सत्ता संचालन तक सीमित न रखकर उसे जनसेवा और जनसहभागिता का माध्यम बनाने का प्रयास किया। इन वर्षों में उनकी कार्यशैली का प्रमुख मंत्र रहा- ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷। यही कारण है कि उनकी नीतियाँ आम जनमानस के जीवन से सीधे जुड़ी दिखाई देती हैं।

मोदी सरकार के 12 वर्षों की सबसे बड़ी विशेषता गरीब, किसान, महिला और युवा वर्ग को मुख्यधारा में लाने तथा गरीबी रेखा से बाहर निकालने का प्रयास रहा है। जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना, उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को धुएँ से मुक्ति दिलाना, आयुष्मान भारत योजना द्वारा गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना से करोड़ों लोगों को पक्का घर उपलब्ध कराना, ऐसे कदम हैं जिन्होंने आम नागरिक के जीवन में क्रांतिकारी वास्तविक परिवर्तन लाया है।

स्वच्छ भारत अभियान ने केवल सफाई को सरकारी कार्यक्रम नहीं रहने दिया, बल्कि उसे जनआंदोलन का रूप दिया। गाँवों और शहरों में शौचालय निर्माण तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता ने सामाजिक व्यवहार में सकारात्मक बदलाव उत्पन्न किया। इसी प्रकार ÷हर घर जल÷, डिजिटल इंडिया और विद्युत विस्तार जैसी योजनाओं ने ग्रामीण भारत को नई सुविधाओं से जोड़ा है।

किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, सिंचाई परियोजनाएँ तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने जैसे प्रयास किए गए। वहीं युवाओं के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया और डिजिटल अवसरों ने रोजगार एवं आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोले हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व लाभ और स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने जैसे कदम महत्वपूर्ण रहे हैं।

पिछले 12 वर्षों में भारत ने अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों का भी दृढ़ता से सामना किया है। रूस-यूक्रेन युद्ध सहित विभिन्न वैश्विक संघर्षों के कारण पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, तेल और गैस की बढ़ती कीमतों तथा आर्थिक अस्थिरता से प्रभावित हुई। ऐसे समय में भारत ने संतुलित विदेश नीति, वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों तथा आत्मनिर्भर ऊर्जा नीति के माध्यम से देशहित को प्राथमिकता दी। सौर ऊर्जा, हरित ऊर्जा और वैकल्पिक ईंधनों को बढ़ावा देकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी भारत की नीति अधिक निर्णायक और प्रभावी दिखाई दी। उरी और पुलवामा जैसी आतंकवादी घटनाओं के बाद भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकवाद के विरुद्ध अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया। इससे विश्व समुदाय को यह संदेश गया कि नया भारत अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। जम्मू-कश्मीर में विकास और शांति स्थापित करने के प्रयासों ने भी नई दिशा प्रदान की है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारत आज वैश्विक मंचों पर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख रहा है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, कोरोना काल में ÷वैक्सीन मित्रता÷ और आत्मनिर्भर भारत अभियान ने देश की नई पहचान निर्मित की है।अब भारत केवल हथियार खरीदने वाला देश नहीं अपितु हथियारों के निर्यातक समूह में है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अनेक देशों द्वारा सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से सम्मानित किया जाना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। ये सम्मान केवल एक व्यक्ति के नहीं, बल्कि उभरते हुए नए भारत की स्वीकार्यता और विश्वसनीयता के प्रतीक हैं।

निस्संदेह, चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं- बेरोजगारी, महँगाई और सामाजिक असमानता और वर्तमान में तेल और गैस आपूर्ति जैसे विषय निरंतर ध्यान की अपेक्षा रखते हैं। किन्तु यह भी सत्य है कि पिछले 12 वर्षों में शासन और जनता के बीच संवाद बढ़ा है तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास अधिक गंभीरता से हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के ये 12 वर्ष केवल राजनीतिक उपलब्धियों का अध्याय नहीं, बल्कि आम जनमानस की आकांक्षाओं, विश्वास और सहभागिता को केंद्र में रखकर विकसित भारत की दिशा में बढ़ते कदमों की कहानी हैं।

लेखक

प्रो.मनमोहन प्रकाश

सोचा गज़ल लिखें..

बढ़ने लगा दर्द तो सोचा गज़ल लिखें
कोई तो हो हमदर्द सोचा गज़ल लिखें

आँखे हुई है नम कागज़ कलम लिए
मौसम हुआ है सर्द सोचा गज़ल लिखें

लिखना पड़ेगा मुल्क के हालातों पर
शायर का यही फर्ज
सोचा गज़ल लिखें

मन करता है बैठे
जब भी हम तन्हाई मे
इश्क का नहीं हैं मर्ज
सोचा गज़ल लिखें

नहीं सुनाई देता कुछ
लगता जैसे सन्नाटा है
लिखने में क्या है
हर्ज सोचा गज़ल लिखें

लेखक

किशोर छिपेश्वर 'सागर', बालाघाट

संस्कृति उभय राष्ट्र की..

संस्कृति उभय राष्ट्र की,
शिवात्मक ही है।
प्रकृति उभय राष्ट्र की,
सौन्दर्यात्मक ही है।
भारत व नेपाल दोनों,
आध्यात्म से
परिपूर्ण 'वल्लभ'।
आकृति उभय राष्ट्र की,
कलात्मक ही है।

**वल्लभ यमुनेश्वरी
नैनपुर**

बरगद..

बरगद
हाँ मैने माना कि
तुम बरगद हो
और मैं
एक नन्हा सा पौधा
किंतु,
इसका अर्थ यह नहीं
कि तुम,
सूरज की रोशनी
मुझ तक पहुँचने में
बाधक बनो
क्योंकि सूरज
जितना तुम्हारा है
उतना मेरा भी
भले ही
तुम बरगद हो
और मैं
तुम्हारा बोनसाई।।

शशि तिवारी

अंधों को नज़र मिल जाए..

अंधों को नज़र मिल जाए,
प्रेम को अवसर मिल जाए।

अकेला न रहे कोई सफ़र में,
सब को हमसफ़र मिल जाए।

नफ़रत जल राख बने जग में,
प्रीत से भरी नज़र मिल जाए।

रूठे न कोई कभी किसी से,
प्यार भरा ज़िगर मिल जाए।

आदमी आदमी को पहचाने,
हर राही को घर मिल जाए।

अनिल कसेर 'उजाला'

यदि आप दैनिक समाचार पत्र प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया मो. 9329033433 पर संपर्क करें..

पहले जमाना सिरदर्द बना..

पहले जमाना
सिरदर्द बना
फ़िर मैं आदमी
बेदर्द बना।

किसी की जी
हुज़ूरी से नहीं
मैं विरोध करके
मर्द बना।

जिसे दिल का
सुकून समझा
वो भी दिल
का दर्द बना।

दयाभाव के
निष्कर्ष से ही
संजय इतना
खुदगर्ज बना।

लेखक

**संजय अश्क
पुलपुट्टा, बालाघाट**

शब्दवर्गपहेली क्र.- 176

1	2		3	4	5	■	6		7	■	8		9	10		■	11	12		13
14		■	15					■	16			■	17		■	18			■	
19			■		■	■	20		■	■	21			■	22		■	23	24	
25		■	26		27	28		■	29	30		■	31	32	■	■	33			■
	■	34		■	35		■	36			■	37			38	39	■	40		41
42	43		■	44			45	■		■	46		■	47			■		■	
■		■	48		■	49				50	■	51		■	■	52	53	■	54	
55		56		■	57			■	■	58	59		■	60	61			62		■
	■		■	63		■	64		65			■	66			■	67		■	68
69			70	■	71	72		■	73		■	74			■	75	■	76	77	
	■	78			■		■	79			■	80					81	■		■
■	82			■	83		84		■	■	85		■		■	86		87		
88		■	■	89		■	90		91	92		■	93			■	94			■
95		■	96			97	■	98			■	99		■	■	100	■		■	101
102			■		■	103	104			■	105				106			■	107	
108		■	109					■	■	110				■	111		■	112		

ck;s ls nk;s & 1) स्वतंत्रता पूर्व काल में लाला लजपतराय, लोकमान्य तिलक और बिपिनचन्द्र पाल के नामों से संक्षिप्त रुपों को लेकर बनाया गया संयुक्त नाम 6) एक उद्योगप्रधान देश 8) बिहार राज्य का एक प्रमुख राजनीतिक दल 11) समूह, समाज 14) जुल्फ 15) सारा शरीर 16) सूअर 17) महीने का पन्द्रह दिनों का भाग, बाजू 18) वर्णन 19) तुरंत चुकाया जानेवाला रुपया 20) दानवीर 21) कालिख 22) सख्त 23) स्थान, पडाव 25) प्राप्त करना 26) जंगल की सैर 29) महाराष्ट्र के एक भूतपूर्व मुख्यमंत्री का कूलनाम 31) चरण 33) मन से संबोधित, मन का 34) बीच का 35) प्राचीनकालीन एक वाहन 36) उत्तराधिकारी 37) होशियार 40) नौकर 42) अनुकरण 44) राजी 46) गेहूं में लगनेवाला कीडा 47) नृत्य करना 48) छुट्टी 49) लड़ने के लिये चुनौती देना 51) पुरुष 52) रावण के सिरों की संख्या 54) किसी शस्त्र का तेज किनारा 55) बारातियों को ठहराने की जगह 57) पंजाब से बहनेवाली एक नदी 58) दिखलाना 60) तुरन्त 63) नक्षत्र 64) विपत्ति आना अर्थवाला एक मुहावरा 66) मनुष्य 67) गन्ना 69) नतीजा 71) विद्रोह 73) मादकता 74) कमी 76) सुख, आराम 78) वस्त्र 79) आश्रय 80) ओहदेदार 82) धातू की बड़ी मूर्ति 83) इस छोर से उस छोर तक 85) चरित्र 86) मजबूत 88) सत्य 89) ज्यादा, अधिक 90) हनुमानजी का एक और नाम 93) एक अवैद्य मादक पदार्थ 94) दया 95) एक वनस्पति जिसका निकाला हुआ तेल बालों में लगाया जाता है 96) इधर उधर की बातचीत 98) मुक्ति 99) 'मैं' का बहुवचन 102) मुलायम 103) पत्थर आदि को काटना 105) उत्तरी भारत का एक प्रमुख राज्य 107) पिछला 108) व्यंग, चुभती बात 109) माचिस 110) प्रणाम 111) गहराई की सीमा 112) लक्ष्मी

Åij ls uhps & 1) परवरीश 2) टंगना 3) बुरी आदत 4) पान रखने की तश्तरी 5) ओंठ 6) सजीव, जीवधारी 7) नूतन 8) सहयोग 9) ताप मापनेवाला 10) कुशल, प्रवीण 11) मित्र 12) अभिनेत्री रिमा सेन की माता जो अपने समय में एक सफल अभिनेत्री थी 13) अनाथ 18) महा 24) कछुआ (मराठी) 26) वध करने योग्य 27) वियोग 28) बहुत पछताना अर्थवाला एक मुहावरा 29) दूर करना, त्यागने का कार्य, अवज्ञा 30) गंदा 32) पीसना 34) गंदगी 37) खिन्न 38) ऊंचा बना हुआ चबुतरा 39) लगातार 41) अपराध 43) लाश को ओढ़ाया जानेवाला वस्त्र 44) दंड़ 45) इच्छुक, किसी चीज को प्राप्त करने की चाह रखनेवाला 48) पृथ्वी 50) एक पुराना ईरानी निर्दयी हुकूमशाह 53) स्वच्छता 54) छिलके सहित चावल 55) दिल्ली का वह इलाका जहां सोनियाजी गांधी का निवासस्थान है 56) वह स्थान जहां बनाये गये लाक्षागृह को जलाकर पांडवों को मारने की कौरवों की योजना थी 57) दिया, दीपक 59) भक्षण करना 60) आवभगत 61) आर्द्रता 62) चोंचला 65) गिनती करना 66) बैठक, बैठने कि क्रिया 68) विदित 70) समस्या, विचारणीय विषय 72) रिवाज, प्रथा 74) एक फूल 75) अनुमान 77) हमेशा 79) पालन पोषण 81) एक लचीला पदार्थ 82) ओठों से चूमने का सा शब्द करते हुये प्यार दिखलाना 83) आग (उर्दू) 84) पातक 85) ठंड़ 87) राज, गुप्त बात 88) बराबरी 89) 'अपनाना' का भूतकाल 91) स्नान करना 92) कपड़ा सीने का एक साधन 93) एक मिठाई 97) बारीक, महीन 99) 'मेरा' का बहुवचन 100) जो शरीर रहित हो, राजा जनक का एक नाम 101) एक देवी, माता (रोग) की एक किस्म 104) सरसों की एक किस्म 105) बर्फ 106) रिवाज 107) दु:ख (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

आ	चा	र्य	वि	नो	बा	भा	वे	■	अ	न	म	ना	■	का	म	या	ब	■	प	क्ष
व	श	■	ना	क	■	र	ग	ड़	ना	■	ल	ग	न	शी	ल	■	लि	या	क	त
क	नी	ज	■	दा	व	त	■	■	मि	द	ना	पु	र	■	य	म	या	त	ना	■
जा	■	ल	ह	र	■	र	ज	नी	का	न्त	■	र	म	ण	■	ज	■	ना	■	खा
व	न	वा	स	■	र	त्न	■	ल	■	ही	न	■	दि	■	बा	बू	ल	■	द	म
क	म	■	र	ह	म	■	क	म	सि	न	■	त	ल	ब	गा	र	■	ब	र	खा
■	की	म	त	■	जा	फ	ना	■	र	■	त	ल	■	ल	व	■	शा	र	जा	ह
ज	न	■	ज	बा	न	ल	ड़ा	ना	■	त	ल	वा	र	■	त	क	ली	फ	■	■
न	■	जा	य	जा	■	दा	■	ह	र	क	त	■	मा	स	■	द	मा	■	प्रा	न
सं	ब	ल	पु	र	■	न	र	क	■	दी	म	क	■	ह	द	■	र	म	णी	क
घ	■	सा	री	■	मा	■	त	■	त	र	ह	■	र	न	वा	स	■	धु	■	ब
■	मे	ज	■	ख्वा	हि	श	■	म	नु	■	मू	क	■	शी	■	र	श्मि	■	आ	ज
दा	ह	■	अं	ब	र	■	ग	र	ज	म	द	■	अ	ल	वि	दा	■	दा	मि	नी
म	र	त	बा	■	■	प	र	दा	■	ग	■	मा	न	■	दा	र	म	दा	र	■
न	बा	ब	■	क	द	र	दा	न	■	ल	लि	ता	प	वा	र	■	सू	■	खा	स
■	नी	ला	म	■	■	ख	■	गी	त	■	प्त	■	ढ़	■	क	ब	र	स्ता	न	■

anumeva-08446302691

भारत के सुमित अंतिल ने 7वीं बार तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड, इतने मीटर दूर भाला फेंककर दुनिया को चौंकाया..

डेस्क जगप्रेरणा।

भारतीय पैरा एथलेटिक्स के सुपरस्टार सुमित अंतिल ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उनके लिए रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि रिकॉर्ड तोड़ना आदत बन चुकी है। बेंगलुरु में आयोजित 8वीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सुमित ने ऐसा कारनामा किया,

जिसने खेल जगत को हैरान कर दिया। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी ने अपने करियर में सातवीं बार वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए इतिहास के पन्नों में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ दिया। 27 साल के सुमित अंतिल ने 27 मई को श्री कांतीरवा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में F64 कैटेगिरी के मुकाबले में 74.82 मीटर का विशाल थ्रो कर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड भी उनके ही नाम था, जो उन्होंने 2023 एशियन पैरा गेम्स में 73.29 मीटर के थ्रो के साथ बनाया था।

सातवीं बार तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड..

सुमित अंतिल का यह नया रिकॉर्ड उनके शानदार करियर का सातवां वर्ल्ड रिकॉर्ड है। वह 2019 से लगातार इस स्पर्धा में वर्ल्ड रिकॉर्डधारी बने हुए हैं। उनकी रिकॉर्ड तोड़ने की यात्रा 2019 में इटली में आयोजित वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री से शुरू हुई थी, जहां उन्होंने 61.32 मीटर का थ्रो कर पहली बार वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

इसके बाद टोक्यो पैरालंपिक 2021 में उन्होंने गोल्ड मेडल जीतने के दौरान तीन बार वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा। उस प्रतियोगिता में उन्होंने 66.95 मीटर, 68.08 मीटर और 68.55 मीटर तक भाला फेंककर इतिहास रच दिया था। उसी साल इंडियन ओपन में 68.62 मीटर का थ्रो कर उन्होंने एक और नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। फिर 2023 के हांगझोउ एशियन पैरा गेम्स में 73.29 मीटर का थ्रो कर उन्होंने दुनिया को चौंका दिया था और अब बेंगलुरु में 74.82 मीटर का थ्रो कर अपने ही रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

पैरालंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी दबदबा..

सुमित अंतिल सिर्फ रिकॉर्ड ही नहीं तोड़ते, बल्कि बड़े मंचों पर गोल्ड जीतना भी जानते हैं। उन्होंने 2024 पेरिस पैरालंपिक में 70.59 मीटर के थ्रो के साथ लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। इसके अलावा वह लगातार तीन वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। उन्होंने 2023 में पेरिस, 2024 में कोबे और 2025 में नई दिल्ली में वर्ल्ड चैंपियन बनकर भारत का गौरव बढ़ाया। हालांकि, बेंगलुरु में बनाया गया यह नया वर्ल्ड रिकॉर्ड अभी वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स की आधिकारिक मंजूरी के बाद ही औपचारिक रूप से दर्ज किया जाएगा।

ढिंचैक पूजा ने रचाई गुपचुप शादी?

दूल्हे संग वीडियो वायरल, पोस्ट ने मचाया इंटरनेट पर बवाल..

डेस्क जगप्रेरणा।

ढिंचैक पूजा के नाम से मशहूर पूजा जैन ने अपनी शादी की वीडियो शेयर कर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, जिसके बाद से लोग उनका मजाक उड़ा रहे हैं। इस वीडियो में उन्होंने अपने पति का चेहरा नहीं दिखाया है।

इस वायरल वीडियो में ढिंचैक पूजा दुल्हन बन फोटोज के लिए पोज देते नजर आ रही हैं। शादी की फोटो डालते ही वह ट्रोलर्स के निशाने पर आईं और सोशल मीडिया यूजर्स सवाल कर रहे हैं कि क्या सच में ढिंचैक पूजा की शादी हो गई है या फिर किसी नए प्रोजेक्ट के लिए ये घटिया प्लान बनाया है। अपने क्रिंज वीडियोज और बेसुरी आवाज के लिए मशहूर पूजा का वेडिंग वीडियो इस वक्त इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

ढिंचैक पूजा की शादी का बना मजाक..

ढिंचैक पूजा लाल जोड़े में तैयार नजर आ रही हैं और कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। इस वायरल वीडियो दूल्हे की भी झलक देखने को मिल रही है। पूजा को शादी के स्टेज पर दूल्हे के साथ पोज देते देखा जा सकते है। वहीं, दूसरे सीन में दोनों एक-दूसरे की आंखों में डूबे हुए नजर आए, लेकिन दूल्हे की पहचान और चेहरा रिवील नहीं किया गया है। ढिंचैक पूजा ने पति की साइड प्रोफाइल फोटो शेयर की है। हालांकि, यह पोस्ट देखने के बाद भी लोगों को विश्वास नहीं हो रहा है कि उन्होंने शादी की है।

ढिंचैक पूजा बनीं दुल्हन..

पूजा ने जहां रेड लहंगा पहना है। वहीं, उनके दूल्हे व्हाइट शेरवानी पहने दिखाई दे रहे हैं। पूजा को बधाई देने के बजाया यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। वीडियो कैप्शन में पूजा ने लिखा है, 'ये मेरी शादी की क्लिप है, मैं बाकी वीडियो बाद में पोस्ट करूंगी।' यूजर्स का मानना वो प्रैंक कर रही हैं और उन्होंने अपने किसी गाने की शूटिंग का वीडियो पोस्ट किया है।

ढिंचैक पूजा कौन है?

ढिंचैक पूजा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो बिग बॉस 11 में दिखी थीं। उनके क्रिंज गाने 'सेल्फी मैंने ले ली आज' और 'दिलों का स्कूटर' के लिए मशहूर हैं। ढिंचैक पूजा का असली नाम पूजा जैन है, जो एक यूट्यूबर और इंटरनेट सेलिब्रिटी हैं, जिन्हें 'क्रिंग पॉप की रानी' के रूप में जाना जाता है। वह अपने अनोखे, बेसुरा और बिना सुर ताल वाले खुद के बनाए म्यूजिक वीडियो की वजह से चर्चा में रहती हैं।

प्रणय ने सिंगापुर ओपन में क्रिस्टी को हराकर उलटफेर किया, लक्ष्य भी जीते..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन ने बुधवार को यहां शानदार जीत के साथ 10 लाख डॉलर इनामी सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई।

विश्व चैंपियनशिप 2023 और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता 33 वर्षीय प्रणय ने एक घंटे से कुछ अधिक समय में दुनिया के पांचवें नंबर के इंडोनेशियाई खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी को 10-21, 21-12, 21-18 से हराया। क्रिस्टी के खिलाफ पिछले पांच वर्षों में यह प्रणय की पहली जीत है। इससे पहले उन्होंने 2021 इंडोनेशिया ओपन में क्रिस्टी को हराया था। प्रणय अब अगले दौर में सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू से भिड़ेंगे।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इसके बाद दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी ल्यू गुवांग झू को 42 मिनट में 21-17 21-15 से हराया। वह अगले दौर में थाईलैंड के दूसरे वरीय कुनलावुत वितिदसार्न से भिड़ेंगे। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी भी वोंग टिएन सी और लिम च्यू सिएन की मलेशिया की जोड़ी को 21-14, 20-22, 21-13 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गई।

किदांबी श्रीकांत और मालविका बंसोड़ पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गए।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत को स्थानीय खिलाड़ी लोह कीन यू के खिलाफ20-22, 21-19, 17-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। लोह कीन यू ने इस जीत के साथ पिछले हफ्ते भारतीय खिलाड़ी के हाथों मिली हार का बदला ले लिया।

चोट के बाद वापसी कर रही मालविका भी चीनी ताइपे की लिन शियांग टी को कड़ी चुनाती देने के बावजूद 21-11, 19-21, 12-21 से हार गईं। महिला युगल में पांडा बहने रुतुपर्णा और स्वेतपर्णा भी पी ऐमवारीश्रीसाकुल और एस जेनपेंगकी थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ सीधे गेम में 9-21 17-21 से हार गईं।

प्रणय ने क्रिस्टी के खिलाफधीमी शुरुआत की जिससे डोनेशियाई खिलाड़ी ने ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली। क्रिस्टी ने इसके बाद अपनी बढ़त को 16-9 तक पहुंचाया और फिर अगले छह में से पांच अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में प्रणय ने जोरदार वापसी की। उन्होंने ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बनाई और फिर क्रिस्टी को कोई मौका नहीं दिया और दूसरा गेम जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया।

निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच प्रत्येक अंक के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली। शुरुआत में क्रिस्टी 6-3 से आगे थे लेकिन प्रणय ने वापसी करते हुए स्कोर 13-11 कर दिया। कड़े मुकाबले के बीच क्रिस्टी ने 18-16 से बढ़त बनाई लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने आखिरी पांच अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

गोविंदा को इंप्रेस करने के लिए 15 साल की उम्र सिखा खाना बनाना, सुनीता आहूजा का मजेदार खुलासा वायरल..

डेस्क जगप्रेरणा।

शिल्पा शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाले शो 'मां है ना' में गोविंदा की बेटी टीना आहूजा कंटेस्टेंट में से एक हैं। इस शो में टीना के साथ उनकी मां सुनीता आहूजा भी हैं। इसी इवेंट के दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें खाना बनाना पसंद है।

सुनीता ने बताया कि उन्होंने अपने पति को खुश करने के लिए 15 साल की उम्र में खाना बनाना सीखा था। सुनीता ने कहा, 'खाना बना-बनाकर ही तो पति को पटाया है ना।' उन्होंने आगे बताया कि वह 15 साल की उम्र से ही खाना बना रही हैं।

गोविंदा के लिए सिखा खाना बनाना..

अपनी कुकिंग स्किल्स के बारे में बात करते हुए, सुनीता ने यह भी बताया कि क्या उनकी बेटी को 'मां है ना' के सेट पर खाना बनाना पसंद है। उन्होंने कहा, 'जब वक्त आता है ना तो सब सीख लेते हैं।' सुनीता ने कहा कि बच्चों पर दबाव डालना ठीक नहीं है और उन्हें अपनी जिंदगी आजादी से जीने देना चाहिए। एक बार फिर अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में बात करते हुए, सुनीता ने कहा, 'मैंने तो जल्दी शादी कर ली थी।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे पति को खाने का बहुत शौक था।'

गोविंदा और सुनीता ने क्यों छिपाकर रखी थी शादी..

गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादी बॉलीवुड की सबसे लंबे समय तक चलने वाली शादियों में से एक है। जब उन्होंने डेटिंग शुरू की तब गोविंदा करीब 21 साल के थे, जबकि सुनीता सिर्फ 15 साल की थीं। कुछ साल तक रिश्ते में रहने के बाद गोविंदा के एक बड़े बॉलीवुड स्टार बनने से पहले ही मार्च 1987 में इस जोड़ी ने गुपचुप तरीके से शादी कर ली। एक्टर ने शुरुआत में अपने करियर की चिंताओं और अपनी बढ़ती हुई महिला फैन फॉलोइंग की वजह से अपनी शादी को सबसे छिपाकर रखा था।

शिल्पा शेट्टी का नया शो..

'मां है ना' 12 जून, 2026 को प्रीमियर होने वाली है और यह सिर्फ जी5 पर स्ट्रीम होगी। हालांकि, एपिसोड रिलीज होने का सही समय अभी तक घोषित नहीं किया गया है, लेकिन जी5 के ओरिजिनल्स आमतौर पर प्लेटफॉर्म पर भारतीय समय के अनुसार **(IST)** रात 12 बजे के आस-पास रिलीज होते हैं।

ईशा सिंह ने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

विश्व चैंपियनशिप की तीन बार की पदक विजेता ईशा सिंह ने बुधवार को यहां महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल फाइनल में 43 के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ दबदबा बनाते हुए आईएसएसएफ विश्व कप के दूसरे दिन स्वर्ण पदक जीतकर भारत का पदक का खाता खोला।

इक्कीस साल की ईशा ने पांच शॉट की 10 सीरीज में स्थानीय दावेदार और पूर्व विश्व चैंपियन डोरीन वेनेकैम्प को पांच शॉट से पछाड़ा। बुल्गारिया की मिरोस्लावा मिनचेवा ने कांस्य पदक जीता। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन यांग जिन पांचवें स्थान पर बाहर हो गईं। यहां ओलंपिक निशानेबाजी रेंज में दो दिनों के मुकाबले के बाद यह म्यूनिख विश्व कप में भारत का पहला पदक है। यह ईशा का चौथा व्यक्तिगत विश्व कप पदक है।

ओलंपियन ईशा ने कहा, 'म्यूनिख मेरे लिए बहुत मायने रखता था। हर कोई जानता है कि यहां किस तरह का मुकाबला होता है, विशेषकर पिस्टल स्पर्धा में। शीर्ष आठ में जगह बनाना भी बहुत मुश्किल होता है। मैं सच में यह जीतना चाहती थी क्योंकि यह यहां मेरा तीसरा मौका था।'

बड़े फाइनल में घबराहट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं बिल्कुल भी शांत नहीं थी। एक समय जब मैं कमांड सुनने की कोशिश कर रही थी तो मैं अपने बाएं हाथ को लगभग कांपते हुए महसूस कर सकती थी। मुझे बहुत घबराहट हो रही थी, लेकिन हमारे खेल में आप इससे बच नहीं सकते। आपको इसका सामना करना पड़ता है और अनुभव का मतलब यही होता है।'

बुधवार को उन्होंने क्वालीफिकेशन के रेपिड फायर राउंड में 294 का स्कोर किया। मंगलवार को प्रिसिजन राउंड में उनके 293 के स्कोर के साथ मिलकर उन्होंने 587 के कुल स्कोर के साथ क्वालीफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया।

भारत की मनु भाकर और राही सरनोबत 582 और 581 के स्कोर से 98 खिलाड़ियों के इस मुकाबले में क्रमशः 12वें और 14वें स्थान पर रहीं। फाइनल में ईशा ने जोरदार शुरुआत की और पहली तीन सीरीज में तीन परफेक्ट स्कोर के साथ आठ खिलाड़ियों के समूह में काफी आगे निकल गईं। डोरेन 12 अंकों के साथ उनकी सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी थीं जबकि वियतनाम की ट्रिन्ह थू विन्ह 10 हिट के साथ तीसरे स्थान पर थीं। भारतीय निशानेबाज ने दो साल पहले बाकू में कोरिया की किम येजी द्वारा बनाए गए 42 अंक के रिकॉर्ड को एक हिट से बेहतर किया

और यांग जिन द्वारा बनाए गए 41 अंक के जूनियर विश्व रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन्स में आशी चौकसे फाइनल में पहुंचने से महज एक अंक से चूक गईं। वह 70 निशानेबाजों के बीच 589 अंक के साथ 10वें स्थान पर रहीं (केवल रैंकिंग अंक वाले निशानेबाजों सहित कुल 12वें स्थान पर)।

स्विट्जरलैंड की एमिली जेगी ने 590 अंक के साथ आठवां और अंतिम स्थान हासिल किया जबकि उनकी हमवतन और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन कियारा लियोन ने 587 अंक बनाकर 28वां स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में हिस्सा ले रहीं अन्य भारतीय निशानेबाजों विदार्षा विनोद ने 588 अंक बनाकर कुल 14वां स्थान हासिल किया जबकि तिलोत्तमा सेन 583 अंक के साथ 48वें स्थान पर रहीं।

'घर श्मशान जैसा लगता है', मां को याद करके फफक-फफक कर रोईं राखी सावंत, देखकर तड़प उठीं भारती सिंह..

डेस्क जगप्रेरणा।

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत अक्सर ही अपने अटपटे बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। राखी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रही हैं।

कभी अपनी शादी को लेकर तो कभी पर्सनल लाइफ के संघर्षों को लेकर, राखी चर्चा में बनी ही रहती हैं। हाल ही में राखी सावंत ने अपनी पर्सनल लाइफ की गुत्थियों पर बात की और कई कहानियां भी साझा कीं। लेकिन, दौरान हमेशा हंसने खिलखिलाने वालीं राखी बेहद भावुक दिखाई दीं। अपनी मां की मौत और घर में फैले सन्नाटे पर बात की।

मां को याद करके रोईं राखी सावंत..

राखी सावंत हाल ही में भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट पर पहुंचीं, जहां वह अपनी जिंदगी के संघर्षों को याद करके रोती नजर आईं। हमेशा हंसती-खिलखिलाती नजर आने वालीं राखी इस बार काफी इमोशनल दिखाई दीं। अपनी बातों को बिंदास अंदाज में बताने वाली राखी ने बताया कि वह अपनी जिंदगी में किन-किन हालातों से गुजरी हैं। इन्हीं को बातों को याद करके वह इमोशनल हो गईं और रो पड़ीं। भारती और हर्ष के बारे में बात करते हुए भारती ने कहा- 'कभी-कभी रोती हूं, कल रात को ही खूब रोई। घर जाती हूं तो कोई खाना पूछने के लिए भी नहीं रहता। कोई नहीं पूछता कि खाना खाया या नहीं। मां रहती थी तो कहती थी- खाना खा ले।'

'घर आती हूं तो श्मशान जैसा लगता है'..

अपना दुख जाहिर करते हुए राखी ने कहा - 'घर आती हूं तो लगता है श्मशान घाट आई हूं। कोई कुछ पूछने वाला नहीं है। जिंदगी में कोई नहीं है, हिम्मत भी नहीं हो रही कि दोबारा शादी करूं। फिर शादी की हिम्मत नहीं है, ये सब मुझे लूट लेंगे। किसी को बीवी नहीं चाहिए, ये सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करना चाहते हैं बस। मेरा अब जिंदगी पर से भरोसा उठ चुका है। कैसे कीचड़ से निकलकर आई हूं मैं।'

इमोशनल हो गईं भारती सिंह..

राखी सावंत का दुख-दर्द देखकर कॉमेडी क्वीन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया भी भावुक हो गए। सोशल मीडिया पर राखी का ये वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद नेटिजंस भी काफी इमोशनल हो गए हैं। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा- 'राखी सावंत आप बॉर्न सुपरस्टार हो।' वहीं किसी ने उन्हें स्ट्रॉन्ग बताते हुए उनकी तारीफकी। बता दें, राखी सावंत दो बार शादी कर चुकी हैं, लेकिन दोनों ही बार उनका रिश्ता चल नहीं पाया। वहीं 28 जनवरी 2023 को उनकी मां का भी निधन हो गया, जो कैंसर और ब्रेन ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रही थीं।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस

मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

प्रो.पियुष सिंह बैस

फ़ैशन की दुनिया में धमाका

फैशन फैक्ट्री

For Boys & Girls

टी शर्ट, स्पोर्ट्स ट्रेक सूट, वूडी, वॉच, बेल्ट, कैप, फैशनेबल मफलर, मंकी कैप, गॉगल्स (सन ग्लास), इरींग, चैन, की चैन, वॉलेट, परफ्यूम, फैंसी लायटर

दीप प्लाईवुड के बाजू में, महावीर चौक, मेन रोड, बालाघाट (म.प्र.),मो.8827333882

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - 9329033433

लागत से नीचे दाम पर बिकवाली से आयातित तेल - तिलहन के दाम में गिरावट

नई दिल्ली, (भाषा)।

आयातकों के एक बार फिर लागत से नीचे दाम पर खाद्यतेलों की बिकवाली करने से खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बुधवार को सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन जैसे खाद्यतेलों के दाम में गिरावट रही।

बाजार सूत्रों ने कहा कि गर्मी की मूंगफली फसल आने के बीच आयातित खाद्यतेलों में इस गिरावट के असर से मूंगफली तेल-तिलहन में भी नरमी रही। वहीं आवक कम रहने के कारण सरसों तेल-तिलहन तथा नाममात्र की उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल के दाम में सुधार आया।

शिकॉगो एक्सचेंज में सुबह के कारोबार में गिरावट थी और फिलहाल यहां सुधार जारी है। दूसरी ओर, 'बकरीद' के मौके पर मलेशिया एक्सचेंज बंद है।

सूत्रों ने कहा कि बैंकों में अपना 'लेटर आफ क्रेडिट' (साखपत्र) बनाये रखने के लिए आयातक लागत से नीचे दाम पर आयातित खाद्यतेल बेच रहे हैं। इस वजह से सोयाबीन तेल-तिलहन और पाम-पामोलीन में गिरावट है। इस ओर सरकार को ध्यान देना होगा कि इससे बैंकों का कितना नुकसान हो रहा है।

उन्होंने कहा कि खाद्यतेलों की कमी को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर इस देश में आयातकों को लागत से नीचे दाम पर बेचना पड़े, यह अपने आप में विचारणीय है। संभवतः ऐसे प्रश्नों का जवाब हमें बता सकता है कि हम आज तक तेल-तिलहन मामले में आत्मनिर्भरता क्यों हासिल नहीं कर पाये।

सूत्रों ने कहा कि वर्ष 2007-08 में सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 1,800 रुपये क्विंटल था जबकि सूरजमुखी का एमएसपी 1,500 रुपये क्विंटल था। मौजूदा समय में सरसों का एमएसपी 6,200 रुपये क्विंटल है जबकि सूरजमुखी का एमएसपी 8,343 रुपये क्विंटल है। सरसों के मुकाबले सूरजमुखी के एमएसपी में इस भारी भरकम वृद्धि के बावजूद आज इसका उत्पादन बढ़ने का नाम नहीं ले रहा है। किसानों को पहले अपने फसल का वाजिब दाम नहीं मिलने से उनका सूरजमुखी पर भरोसा घटता गया जिससे आयात पर निर्भरता बढ़ती गई। यह देशी तेल-तिलहनों का बाजार बनाने की ओर नियमित ध्यान नहीं देने और आयातित खाद्यतेलों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली पर नकेल कसने की ओर ध्यान नहीं देने की वजह से होता जान पड़ता है।

उन्होंने कहा कि आवक की कमी की वजह से सरसों तेल-तिलहन में सुधार आया। वैसे सरसों का भाव जो पहले नीचे था, वह अब सोयाबीन रिफाइंड और पाम-पामोलीन के भाव के लगभग बराबर हो चला है। कम उपलब्धता और मांग बढ़ने के बीच बिनौला तेल कीमतों में भी सुधार आया।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे :

सरसों तिलहन - 7,625-7,650 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली - 6,725-7,200 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 16,000 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,545-2,845 रुपये प्रति टिन।

सरसों तेल दादरी- 15,600 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों पक्की घानी- 2,575-2,675 रुपये प्रति टिन।

सरसों कच्ची घानी- 2,575-2,720 रुपये प्रति टिन।

सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 15,750 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 15,700 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,050 रुपये प्रति क्विंटल।

सीपीओ एक्स-कांडला- 13,900 रुपये प्रति क्विंटल।

बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 15,750 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 15,650 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन एक्स- कांडला- 14,500 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल।

सोयाबीन दाना - 7,400-7,450 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन लूज- 7,050-7,125 रुपये प्रति क्विंटल।

पश्चिम एशिया संकट लंबा खिंचने पर बीमा की वृद्धि दर पड़ सकती नरमः एलआईसी प्रमुख..

नई दिल्ली, (भाषा)।

अग्रणी बीमा कंपनी एलआईसी के प्रमुख आर दुरईस्वामी ने कहा है कि पश्चिम एशिया संकट के लंबे समय तक बने रहने की स्थिति में देश के बीमा क्षेत्र की वृद्धि दर में कुछ नरमी आ सकती है, क्योंकि इससे लोगों की आय और बचत क्षमता प्रभावित हो सकती है।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक दुरईस्वामी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि यदि पश्चिम एशिया संकट लंबा चलता है तो इसका शृंखलाबद्ध प्रभाव लोगों की आय, खर्च और बचत के रुझान पर पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि स्थिति जल्द सामान्य होगी।

हालांकि दुरईस्वामी ने कहा कि यदि अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा इस संकट से प्रभावित होता है तो बीमा उद्योग भी इससे अछूता नहीं रह सकता है। लोगों की आय और बचत क्षमता पर असर पड़ने से बीमा क्षेत्र पर भी स्वाभाविक रूप से प्रभाव पड़ेगा।

गौरतलब है कि 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद ऊर्जा समेत कई क्षेत्रों पर असर पड़ा है। इससे आर्थिक वृद्धि में सुस्ती और महंगाई बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

एलआईसी में सरकार की हिस्सेदारी घटाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर दुरईस्वामी ने कहा कि कंपनी इस तरह के कदमों के लिए पहले से तैयार है। उन्होंने कहा, ÷जब हमने अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी शुरू की थी, तभी से हम आगे के ऐसे कदमों के लिए तैयार थे। इस पर अंतिम फैसला सरकार को लेना है।÷ एलआईसी प्रमुख ने कहा कि जैसे ही समय और हिस्सेदारी के स्तर पर निर्णय लिया जाएगा, एलआईसी सरकार के साथ मिलकर इसे सफल बनाने के लिए तैयार है।

वर्ष 2022 में एलआईसी का आईपीओ आया था, जो उस समय आकार के लिहाज से देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम था। इसके जरिए सरकार ने 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर करीब 21,000 करोड़ रुपये जुटाए थे।

उन्होंने कहा कि सूचीबद्ध कंपनियों के लिए निर्धारित मानकों के तहत न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी बढ़ाने के लक्ष्य पर सरकार काम कर रही है, लेकिन मौजूदा बाजार अस्थिरता के कारण अगले सार्वजनिक पेशकश के लिए उचित समय का इंतजार किया जा रहा है।

आईपीओ के बाद शेयरधारकों को लाभ देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि एलआईसी ने हाल में एक मौजूदा शेयर पर एक बोनस शेयर जारी किया और इसके बाद 67 प्रतिशत अधिक लाभांश देने की भी घोषणा की।

एलआईसी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के नतीजों को अंतिम रूप देते समय 10 रुपये अंकित मूल्य वाले शेयर पर 10 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। इसे शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन रखा गया है।

एलआईसी ने हाल ही में जनवरी-मार्च तिमाही में 23 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 23,420 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो देश की किसी भी वित्तीय सेवा कंपनी का अब तक का उच्चतम स्तर है।

जेवर हवाईअड्डा के लिए 110 इलेक्ट्रिक बसें होंगी उपलब्ध : मुख्यमंत्री..

लखनऊ, (भाषा)।

उत्तर प्रदेश में जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के संचालन के साथ यात्रियों को आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

प्राथमिक चरण में 110 इलेक्ट्रिक बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को राज्य परिवर्तन आयोग की चौथी बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा (यमुना एक्सप्रेसवे ओद्योगिक विकास प्राधिकरण) क्षेत्र में 500 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 15 जून से प्रस्तावित उड़ान संचालन से पहले सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह सुदृढ़ किया जाए।

यहां जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग सुविधाओं के तेजी से विस्तार पर भी जोर दिया। प्रदेश में वर्तमान में लगभग 15.5 लाख इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हैं और 2030 तक 10,000 चार्जिंग स्टेशन विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभी तक लगभग 2500 चार्जिंग स्टेशन चालू हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि बेहतर संपर्क से औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन को नई गति मिलेगी। उन्होंने भूमि अधिग्रहण और विनिमय संबंधी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के लिए लगभग 55 प्रतिशत भूमि प्राप्त की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे, जेवर लिंक एक्सप्रेसवे और झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण जून के अंत तक पूरा कर लिया जाए। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि मेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेसवे का 'एलाइनमेंट' स्वीकृत हो चुका है तथा भूमि अधिग्रहण की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश संबंधी परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण और निवेशकों के साथ सतत संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि 'मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब' के लिए 323 हेक्टेयर में से 301 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा प्राप्त हो चुका है। 'डेवलपर' चयन के लिए निविदा की अंतिम तिथि बढ़ाकर 6 जुलाई 2026 कर दी गई है। वहीं 'मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब' के लिए 200 हेक्टेयर में से 144 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध हो चुकी है तथा शेष भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में प्रस्तावित सीड पार्क और टेक्सटाइल पार्क परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं को प्रदेश के कृषि और औद्योगिक विकास से जोड़ते हुए तेजी से आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के निकट प्रस्तावित कृषि निर्यात केंद्र और उन्नाव में 'एक्वा ब्रिज परियोजना' की समीक्षा करते हुए कहा कि कृषि और मत्स्य आधारित उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए आधुनिक प्रसंस्करण और निर्यात सुविधाएं विकसित की जाएं।

खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 37.65 करोड़ टन रहने का अनुमान, गेहूं उत्पादन बढ़कर 12.1 करोड़ टन पर..

नई दिल्ली, (भाषा)।

देश में खाद्यान्न उत्पादन जून में समाप्त होने वाले फसल वर्ष 2025-26 में पांच प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 37.65 करोड़ टन होने का अनुमान है। इसकी मुख्य वजह चावल, गेहूं और मक्का का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर रहने की संभावना है।

बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। वर्ष 2025 में बेहतर मानसून और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि जैसे कारणों से उत्पादन में अच्छी वृद्धि हुई है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय किसानों को दिया है।

कृषि मंत्रालय के वर्ष 2025-26 के लिए प्रमुख फसलों के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण फसल को कुछ नुकसान होने के बावजूद, देश का गेहूं उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में 2.29 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 12.06 करोड़ टन होने का अनुमान है।

फसल वर्ष 2024-25 में गेहूं का उत्पादन 11.79 करोड़ टन रहा था।

मंत्रालय ने यह कहता रहा है कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से होने वाले 'स्थानीय नुकसान के बावजूद' देश में गेहूं उत्पादन 'स्थिर और मजबूत' बना हुआ है।

फसल वर्ष 2025-26 के लिए कुल खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 37.65 करोड़ टन होने का अनुमान है। जबकि इससे पिछले साल यह 35.77 करोड़ टन था।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''यह देश के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक खाद्यान्न उत्पादन है।''

उन्होंने कहा, ''तीसरे अग्रिम अनुमान स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि देश में खाद्यान्न, प्रमुख अनाज, तिलहन और वाणिज्यिक फसलों की उत्पादन स्थिति मजबूत बनी हुई है, जिसमें कई फसलों के रिकॉर्ड उत्पादन स्तर हासिल करने का अनुमान है।''

चौहान ने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और उसके संस्थानों द्वारा किए गए कृषि अनुसंधान ने प्रमुख फसलों के उत्पादन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन संस्थानों ने जलवायु-अनुकूल फसल किस्में और वर्षा-आधारित उत्पादन तकनीकें विकसित कीं और जमीनी स्तर पर किसानों तक शोध परिणामों को पहुंचाया।

ताजा अनुमानों के अनुसार, फसल वर्ष 2025-26 में चावल का उत्पादन रिकॉर्ड 15.40 करोड़ टन होने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष यह उत्पादन 15.02 करोड़ टन हुआ था। पोषक एवं मोटे अनाजों का उत्पादन 2025-26 में 7.45 करोड़ टन होने का अनुमान है जो इससे पिछले वर्ष में 6.39 करोड़ टन था। इस वृद्धि का मुख्य कारण मक्का के उत्पादन में हुई भारी बढ़ोतरी है, जो फसल वर्ष 2024-25 के 4.34 करोड़ टन के मुकाबले रिकॉर्ड 5.51 करोड़ टन तक पहुंच गया है।

दलहन के मामले में, अरहर का उत्पादन 35.9 लाख टन होने का अनुमान है, जो फसलवर्ष 2024-25 के 36.2 लाख टन के मुकाबले थोड़ा कम है। चने का उत्पादन 1.25 करोड़ टन होने का अनुमान है जो इससे पिछले साल 1.11 करोड़ टन था। मसूर का उत्पादन 17.6 लाख टन होने का अनुमान है। तिलहनों के मामले में, कुल उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 में बढ़कर 4.30 करोड़ टन रहने का अनुमान है जो एक साल पहले 4.29 करोड़ टन था। मूंगफली का उत्पादन बढ़कर 1.31 करोड़ टन रहने का अनुमान है जो एक साल पहले 1.19 करोड़ टन था।

सोयाबीन का उत्पादन घटकर 1.26 करोड़ टन होने का अनुमान है जो एक साल पहले 1.53 करोड़ टन था। रेपसीड और सरसों का उत्पादन बढ़कर 1.38 करोड़ टन होने का अनुमान है जो एक साल पहले 1.27 करोड़ टन था। वाणिज्यिक फसलों में, गन्ने का उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 में 50 करोड़ टन होने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष यह 45.46 करोड़ टन था।

कपास का उत्पादन 2.90 करोड़ गांठ (प्रत्येक गांठ का वजन 170 किलोग्राम) रहने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष यह 2.97 करोड़ गांठ था। जूट का उत्पादन 91.76 लाख गांठ (प्रत्येक गांठ का वजन 180 किलोग्राम) रहने का अनुमान है, जबकि फसल वर्ष 2024-25 में यह 84.8 लाख गांठ था।

ईंधन की बढ़ती कीमतों, कम मांग के कारण घरेलू उड़ानों में कटौती..

नई दिल्ली, (भाषा)।

एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस, विमान ईंधन की ऊंची कीमतों तथा अपेक्षा से कम यात्रा मांग जैसी समस्याओं से निपटने के लिए अपनी घरेलू उड़ानों में अस्थायी रूप से 10 से 22 प्रतिशत की कमी कर रहीं हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पश्चिम एशिया में फरवरी के अंत से शुरू हुए संघर्ष के कारण एयरलाइंस को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें ईंधन की बढ़ती कीमतें और हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध शामिल हैं। इन समस्याओं के कारण परिचालन लागत बढ़ गई है।

बढ़ती लागतों की वजह से एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी आने वाले महीनों के लिए अपनी घरेलू उड़ानों में कटौती का निर्णय लिया है।

अधिकारियों ने बताया कि एयर इंडिया जून और जुलाई के लिए अपनी घरेलू उड़ानों में 20-22 प्रतिशत की कटौती कर रही है तथा एयर इंडिया एक्सप्रेस जून के लिए घरेलू सेवाओं में 10 प्रतिशत की कमी कर रही है। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानों में कटौती का यह प्रतिशत इनकी ग्रीष्मकाल में संबंधित महीनों के दौरान निर्धारित उड़ान कार्यक्रमों के आधार पर तुलना करते हुए दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि इंडिगो जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए घरेलू उड़ानों में 12-15 प्रतिशत की कटौती कर रही है।

यह कटौती उन उड़ानों की तुलना में है, जिन्हें ग्रीष्मकाल कार्यक्रम के तहत निर्धारित किया गया था। एयर इंडिया हर सप्ताह लगभग 4,400 उड़ानों का परिचालन करती है, जिनमें करीब 3,600 घरेलू और 800 अंतरराष्ट्रीय सेवाएं शामिल हैं।

कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि जून से अगस्त, 2026 के बीच चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय सेवाओं में पहले घोषित बदलावों के साथ-साथ कुछ घरेलू मार्गों पर भी अस्थायी रूप से उड़ानों की संख्या घटाई गई है। अधिकारियों के अनुसार, घरेलू उड़ानों में 20-22 प्रतिशत की कमी आएगी। करीब 3,600 साप्ताहिक घरेलू उड़ानों के आधार पर 22 प्रतिशत की कटौती से प्रति सप्ताह 790 से ज्यादा सेवाओं की कटौती होगी।

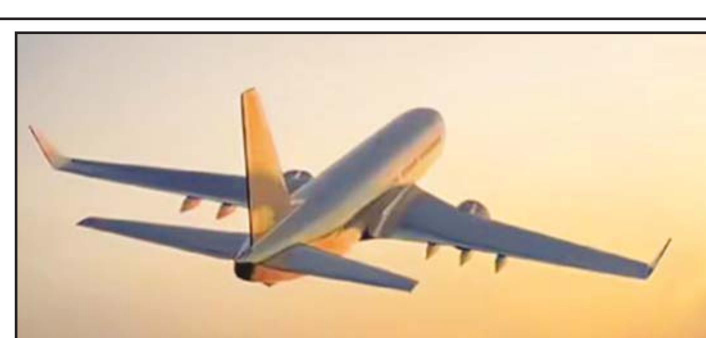

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''घरेलू उड़ानों की संख्या पर इसका प्रभाव 10 प्रतिशत से कम है।'' यह एयरलाइन हर सप्ताह लगभग 3,000 उड़ानों का परिचालन करती है, जिनमें से करीब 2,400 घरेलू उड़ानें हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इंडिगो हर सप्ताह लगभग 15,400 उड़ानों का परिचालन करती है, जिनमें से लगभग 13,000 घरेलू उड़ानें हैं। इंडिगो के एक अधिकारी ने कहा कि मांग में आई कमी और मौसमी समायोजन को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने सेवाओं में कटौती की है, जो हर साल जून के मध्य से अगस्त तक किया जाता है।

जग प्रेरणा

देश विदेश

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

उत्तर प्रदेश में बकरीद पर ड्रोन से निगरानी, सुरक्षा के कड़े इंतजाम..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

बृहस्पतिवार को बकरीद से पहले पूरे उत्तर प्रदेश में ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी, गश्त, यातायात व्यवस्था और अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती समेत सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इससे पूर्व कहा था कि सड़कों पर नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी और यदि जरूरत पड़े तो पालियों में नमाज पढ़ी जाए। यहां 1,347 पुलिस और यातायात पुलिसकर्मियों के अलावा पीएसी की छह कंपनियां, 'वायरलेस यूनिट' और 'एलआईयू' की टीमें तैनात की गई हैं जिससे कानून व्यवस्था बनाई रखी जा सके।

लखनऊ पुलिस के मुताबिक, ईदगाह ऐशबाग और आसपास के क्षेत्रों को सुरक्षा प्रबंधन के लिए चार जोन में और पांच सेक्टरों में बांटा गया है। टीले वाली मस्जिद, ईदगाह ऐशबाग और बड़ा इमामबाड़ा में असिफी मस्जिद समेत पांच प्रमुख नमाज स्थलों के आसपास विशेष यातायात की योजनाएं तैयार की गई हैं।

पुलिस ने कहा कि भीड़ प्रबंधन और नियमित सुरक्षा के लिए संयुक्त ब्रीफिंग एवं 'मॉक ड्रिल' कराई गई है, जबकि प्रमुख मार्गों, चौराहों और धार्मिक स्थलों की चौबीस घंटे निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों का उपयोग किया जा रहा है। सादे कपड़ों में महिला पुलिस कर्मियों, एंटी-रोमियो दस्तों और पिंक पेट्रोल टीमों को भी भीड़भाड़ वाले स्थानों पर तैनात किया गया है जिससे छेड़छाड़ की घटनाओं को रोका जा सके और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। संभल जिले को जिला प्रशासन ने पांच जोन और 16 सेक्टरों में बांटा है तथा ड्रोन कैमरों और सोशल मीडिया निगरानी टीमों के जरिए निगरानी बढ़ा दी है। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने कहा कि 828 मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज पढ़ी जाएगी तथा साफ-सफाई, पेयजल और कुर्बानी के बाद अपशिष्टों के निस्तारण के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि शांति समिति और मोहल्ला स्तर की बैठकें की गई हैं तथा लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर नमाज नहीं पढ़ने और निर्धारित स्थानों से बाहर कुर्बानी नहीं देने का निर्देश दिया गया है। वाराणसी में जिला अधिकारियों ने लोगों से निर्धारित स्थानों पर ही नमाज पढ़ने की अपील की है और सड़कों पर नमाज पढ़ने से बचने को कहा है। अधिकारियों ने कहा कि पूरे शहर की ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी।

आगरा में पुलिस उपायुक्त (नगर) अली अब्बास ने कहा कि शहर को सेक्टरों में बांटा गया है और बकरीद के लिए अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती की गई है।

बांग्लादेश में दर्दनाक हादसा, ट्रक पलटने से 15 की मौत; ईद की छुट्टी मनाने जा रहे थे मजदूर..

डेस्क जगप्रेरणा।

बांग्लादेश में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां एक ट्रक पलटने से 15 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक इस हादसे में 10 लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि ढाका से 83 किमी दूर यह हादसा हुआ।

ट्रक में सवार लोग लिफ्ट लेकर यात्रा पर निकले थे। इसमें अधिकांश लोग दिहाड़ी मजदूर थे, जो छुट्टी में ईद मनाने घर जा रहे थे। रास्ते में अचानक ट्रक चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद यह हादसा हुआ है।

सुबह 5 बजे हुआ हादसा..

पुलिस ने बताया कि सोमवार तड़के मध्य बांग्लादेश के एक प्रमुख राजमार्ग पर लोहे की छड़ों और अतिरिक्त यात्रियों से लदा एक ट्रक पलट गया, जिससे कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस प्रमुख फुआद हुसैन ने बताया कि यह दुर्घटना ढाका से 83 किलोमीटर (52 मील) उत्तर-पश्चिम में स्थित तंगेल जिले के सोराटोइल इलाके में सुबह करीब 5 बजे हुई, जब चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया।

ज्यादातर लोग थे दिहाड़ी मजदूर..

हुसैन ने बताया कि ट्रक में लिफ्ट मांगकर यात्री सवार थे और यह ढाका से उत्तरी क्षेत्र की ओर जा रहा था, क्योंकि गुरुवार को ईद अल-अदहा के त्योहार से पहले छुट्टियां मनाने वाले लोग यात्रा पर निकल चुके थे। उन्होंने बताया कि ट्रक पलट गया और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

अधिकारी ने बताया कि अधिकांश यात्री दिहाड़ी मजदूर थे और त्योहार के लिए अपने परिवारों से मिलने जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने टीवी चैनलों को बताया कि शोर सुनकर वे घटनास्थल पर पहुंचे और फंसे हुए यात्रियों को बचाने लगे।

घायलों को पहुंचाया गया अस्पताल..

वहीं इस हादसे के बाद से इलाके में चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद घायलों को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। बता दें कि यातायात नियमों की खराब निगरानी, सड़कों की खराब स्थिती और अकुशल वाहन चालकों के कारण 17 करोड़ से अधिक आबादी वाले इस देश में सड़क दुर्घटनाओं में हर साल हजारों लोगों की मौत हो जाती है।

क्या चंद्रमा की मिट्टी से ऑक्सीजन निकालना अंतरिक्ष अन्वेषण का भविष्य है?..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

अमेरिका और चीन के बीच चंद्रमा तक पहुंचने की नई होड़ शुरू हो चुकी है, लेकिन इस बार उद्देश्य केवल वहां उतरकर लौट आना नहीं, बल्कि स्थायी मानव उपस्थिति के लिए आधार तैयार करना है।

विशेषज्ञों के अनुसार, चंद्रमा को अब ऐसी तकनीकों के परीक्षण स्थल के रूप में देखा जा रहा है, जो भविष्य में मंगल ग्रह सहित दूरस्थ अंतरिक्ष अभियानों को संभव बना सकें। इन प्रमुख तकनीकों में से एक 'इन-सिटू रिसोर्स यूटिलाइजेशन' (आईएसआरयू) है, जिसमें किसी स्थान पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग वहीं मानव गतिविधियों के लिए आवश्यक वस्तुएं तैयार करने में किया जाता है। इनमें ऑक्सीजन, पानी, रॉकेट ईंधन या निर्माण सामग्री शामिल हैं। इन आवश्यक संसाधनों का उत्पादन सीधे चंद्रमा पर करने से पृथ्वी से भेजे जाने वाले माल का भार काफी कम किया जा सकेगा, जिससे अंतरिक्ष अन्वेषण की लॉजिस्टिक और वित्तीय लागत में कमी आएगी।

आईएसआरयू के जरिए ऑक्सीजन, पानी, रॉकेट ईंधन और निर्माण सामग्री जैसी आवश्यक चीजें सीधे चंद्रमा पर तैयार की जा सकती हैं। इससे पृथ्वी से भेजे जाने वाले सामान का भार और अंतरिक्ष अभियानों की लागत काफी कम हो सकती है। पृथ्वी से ये संसाधन भेजने के बजाय लक्ष्य यह सीखना है कि चंद्रमा पर कैसे रहा जाए। वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक, चंद्रमा की सतह पर मौजूद 'रेगोलिथ' यानी धूल और पत्थर के महीन कणों से ऑक्सीजन निकालना है। रेगोलिथ में ऑक्सीजन धात्विक ऑक्साइड के रूप में मौजूद होती है और इसकी कुल मात्रा लगभग 40 से 45 प्रतिशत तक होती है। हालांकि यह गैसीय रूप में नहीं होती, इसलिए इसे मुक्त करने के लिए 'रासायनिक बॉन्ड' को तोड़ना पड़ता है। इसके लिए वैज्ञानिक 'पायरोलिसिस' तकनीक पर काम कर रहे हैं, जिसमें अत्यधिक तापमान पर पदार्थों को गर्म कर उनके रासायनिक अवयवों को अलग किया जाता है। चंद्रमा पर यह तापीय ऊर्जा सौर किरणों को दर्पणों या लेंसों की मदद से एक बिंदु पर केंद्रित कर प्राप्त की जा सकती है, जहां तापमान हजारों डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि चंद्रमा का वातावरण इस प्रक्रिया के लिए अनुकूल है, क्योंकि वहां लगभग निर्वात जैसी स्थिति है और वातावरण नहीं होने से सूर्य की किरणें बिना अवरोध सीधे सतह तक पहुंचती हैं। दक्षिणी ध्रुव के कुछ क्षेत्रों में लगभग 90 प्रतिशत समय तक सूर्य का प्रकाश उपलब्ध रहता है। फ्रांस के 'प्रोसेसेज, मैटेरियल्स एंड सोलर एनर्जी लैबोरेटरी' (प्रोमेस-सीएनआरएस) के वैज्ञानिकों ने इस तकनीक का प्रारंभिक सफल परीक्षण किया है। फ्रांसीसी पिरेनीज पर्वत क्षेत्र के ओडियोलो में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी सौर भट्टी में वैज्ञानिकों ने चंद्र मिट्टी के कृत्रिम नमूनों पर प्रयोग किए।

शोधकर्ताओं ने बताया कि दो मीटर व्यास वाली परवलयाकार संरचनाएं सूर्य की रोशनी को लगभग 10,000 गुना तक केंद्रित कर 3,000 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान उत्पन्न कर सकती हैं। इसी ऊर्जा से पायरोलिसिस रिएक्टर संचालित किया गया।

प्रारंभिक परीक्षणों में 3.38 ग्राम रेगोलिथ नमूने से लगभग 35 मिलीग्राम ऑक्सीजन निकाली गई, जो कुल द्रव्यमान का लगभग एक प्रतिशत है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह अभी शुरुआती स्तर की सफलता है और भविष्य में दबाव तथा तापमान नियंत्रण में सुधार कर उत्पादन क्षमता बढ़ाई जा सकती है। शोधकर्ताओं का मानना है कि इस प्रक्रिया से केवल ऑक्सीजन ही नहीं, बल्कि अन्य खनिज पदार्थ भी प्राप्त किए जा सकते हैं, जिनका उपयोग चंद्रमा पर निर्माण सामग्री, उपकरण और ढांचे तैयार करने में किया जा सकता है।

इससे भविष्य के चंद्र अभियानों की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। हालांकि वैज्ञानिकों ने माना कि इस तकनीक को वास्तविक चंद्र परिस्थितियों में लागू करने से पहले कई तकनीकी चुनौतियां बाकी हैं। रिएक्टर, दर्पण और सौर ऊर्जा केंद्रित करने वाले उपकरणों को चंद्रमा की कठोर परिस्थितियों जैसे विकिरण, अत्यधिक तापमान परिवर्तन और महीन धूल का सामना करने लायक बनाना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि यह तकनीक सफल होती है तो भविष्य में चंद्र आधारों को पृथ्वी पर निर्भरता कम करने और लंबे अंतरिक्ष अभियानों को संभव बनाने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है।

पत्नी से विवाद के बाद शख्स ने 4 मासूम बच्चों को कुएं में फेंक कर मार डाला, फिर खुद भी दे दी जान..

डेस्क जगप्रेरणा।

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले से एक सन्न कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी से हुए विवाद के बाद कथित तौर पर अपने चार मासूम बच्चों को कुएं में फेंककर मार डाला।

बाद में खुद भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। यह दर्दनाक घटना 24 मई को जलगांव-जामोद तहसील के राजुरा गांव में हुई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी पिता की पहचान 35 वर्षीय विजय किराडिया के रूप में हुई है। विजय किराडिया का अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर गंभीर झगड़ा हुआ था।

पत्नी से हुए इस विवाद के बाद विजय अत्यधिक गुस्से में आ गया। इसी आक्रोश में उसने अपने चार मासूम बच्चों को घर के पास ही एक खेत में बने कुएं में कथित तौर पर फेंक दिया। कुएं में डूबने से चारों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक बच्चों की पहचान

प्रीत (बेटा, उम्र- 7 वर्ष)
प्राची (बेटी, उम्र- 5 वर्ष)
पूर्वी (बेटी, उम्र- 4 वर्ष)
पीयूष (बेटा, उम्र- 2 वर्ष)

बच्चों की जान लेने के बाद आरोपी विजय किराडिया ने खुद भी फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में घटना की वजह पारिवारिक कलह और पत्नी से हुआ झगड़ा सामने आ रही है। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद से राजुरा गांव में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस हर पहलू से मामले की तफ्तीश में जुटी है।

फिल्म निर्माता अनिक दत्ता की छत से गिरने के बाद मौत, पुलिस जांच में जुटी..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

प्रख्यात बंगाली फिल्म निर्माता अनिक दत्ता की बुधवार को दक्षिण कोलकाता स्थित अपने आवास की छत से गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है। दत्ता की उम्र 65 वर्ष थी और परिवार में उनकी पत्नी और बेटी हैं।

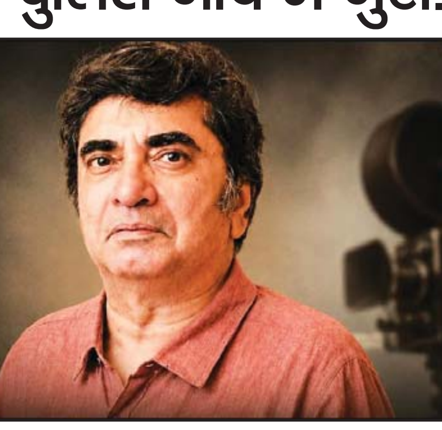

दत्ता की मौत से राज्य के फिल्म जगत और राजनीतिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने बताया कि गरियाहाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत हिंदुस्तान पार्क इलाके में स्थित अपने आवास की छत से गिरने के बाद दत्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें ढाकुरिया के पास एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने फिल्म निर्माता के निधन पर शोक व्यक्त किया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'प्रसिद्ध फिल्म निर्माता अनिक दत्ता के असामयिक निधन से व्यथित हूं। बंगाली सिनेमा में उनका योगदान अमूल्य है। उनके परिवार और मित्रों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। मुझे विश्वास है कि कोलकाता पुलिस उनकी अचानक मृत्यु के रहस्यमय कारणों की जांच करेगी।' सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ताओं ने दत्ता के आवास से एक हस्तलिखित नोट बरामद किया, जिसमें कथित तौर पर लिखा था: 'इसके लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं है'। सूत्रों ने बताया कि हालांकि, पुलिस ने नोट की सामग्री पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है और कहा है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ताओं ने नोट को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा है ताकि इसकी प्रामाणिकता का पता लगाया जा सके और यह निर्धारित किया जा सके कि लिखावट फिल्म निर्माता की लिखावट से मेल खाती है या नहीं। नोट की बरामदगी के बाद जांचकर्ताओं ने मौत से जुड़े कई पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। फिल्म उद्योग के सूत्रों के अनुसार, दत्ता कुछ समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे और कथित तौर पर कई बीमारियों से पीड़ित थे। परिवार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

लखनऊ में दिनदहाड़े प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

प्रॉपर्टी डीलर के तौर पर काम करने वाले 43 वर्षीय व्यक्ति की दो अज्ञात हमलावरों ने पीजीआई थाने के पास बुधवार को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, यह घटना अपराह्न करीब एक बजे हुई जिसकी सूचना पाकर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल संदीप सिंह को पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित जौनपुर जिले के शिकारा क्षेत्र में तकारी गांव का निवासी था और वर्तमान में यहां वृंदावन योजना क्षेत्र में रह रहा था। प्रारंभिक जांच से पता चला कि मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात हमलावरों ने सिंह पर गोली चलाई और फरार हो गए। आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए चार पुलिस टीमों का गठन किया गया है। पुलिस की टीमें क्षेत्र के सीसीटीवी फटेज खंगाल रही हैं और साक्ष्य जुटा रही हैं। पीड़ित की पत्नी प्रीति की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, सिंह प्रॉपर्टी डीलर था और उसने कल्ली पश्चिम इलाके में यादव मार्केट में अपना कार्यालय खोल रखा था। यह घटना उस समय हुई जब वह अपने कार्यालय जा रहा था।

झांसी में जयमाला के बाद बवाल, दहेज की मांग को लेकर हंगामा मारपीट, दुल्हन ने फेरे लेने से किया इनकार..

डेस्क जगप्रेरणा।

झांसी के प्रेमनगर थाना क्षेत्र स्थित मधुबन गार्डन में एक शादी समारोह उस समय रणक्षेत्र में बदल गया, जब जयमाला के तुरंत बाद दूल्हा पक्ष पर अतिरिक्त रुपयों की मांग करने का आरोप लगा।

मामूली कहासुनी देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। पूरी घटना गार्डन में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि बारात झांसी के कोतवाली थाना क्षेत्र से मधुबन गार्डन पहुंची थी।

दहेज के लिए हुआ हंगामा..

शादी की सभी रस्में हंसी-खुशी चल रही थीं और जयमाला भी संपन्न हो चुकी थी। आरोप है कि इसी दौरान दूल्हा पक्ष के कुछ लोगों ने अचानक अतिरिक्त रुपयों की मांग रख दी। लड़की पक्ष ने जब मांग पूरी करने से मना किया तो दोनों पक्षों में बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि गार्डन में कुर्सियां चलने लगीं और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। लड़की पक्ष का आरोप है कि दूल्हा पक्ष के लोगों ने दुल्हन के पिता और भाई के साथ मारपीट की। शादी समारोह में मौजूद मेहमानों और रिश्तेदारों ने किसी तरह बीच-बचाव कर माहौल शांत कराने की कोशिश की, लेकिन तब तक पूरे गार्डन में अफरा-तफरी मच चुकी थी।

दुल्हन ने शादी से किया इनकार..

सूचना मिलते ही प्रेमनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले गई। घटना के बाद दुल्हन ने दूल्हे के साथ शादी करने और ससुराल जाने से साफइंकार कर दिया। पुलिस का कहना है कि मामले में तहरीर मिलने के बाद जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि दहेज के मामले को लेकर कई तरह की खबरें सामने आई हैं, जहां शादी के बाद दहेज को लेकर महिलाओं की हत्या कर दी गई। झांसी में दुल्हन ने शादी से पहले ही ऐसा कदम उठाया और शादी से इनकार कर दिया।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

प्रो.पियुष सिंह बैस
फ़ैशन की दुनिया में धमाका
फैशन फैक्ट्री
For Boys & Girls
टी शर्ट, स्पोर्ट्स ट्रेक सूट, वूडी, वॉच, बेल्ट, कैप, फैशनेबल मफलर, मंकी कैप, गॉगल्स (सन ग्लास), इरींग, चैन, की चैन, वॉलेट, परफ्यूम, फैंसी लायटर
दीप प्लाईवुड के बाजू में, महावीर चौक, मेन रोड, बालाघाट (म.प्र.), मो.8827333882

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

लक्ष्मीनारायण दुबे तिरोड़ा
मो. 9404304226

चौंकाने वाला: देवरी में गाय के पेट से निकाला 20 किलो प्लास्टिक, पशु चिकित्सा अधिकारी ने सर्जरी कर बचाई जान..

खुले में पड़ा प्लास्टिक खाने से गाय ने बंद कर दिया था चारा-पानी..

डॉक्टर की नागरिकों से अपील: प्लास्टिक के उपयोग से बचें, खुले में कचरा न फेंकें..

जगप्रेरणा देवरी।

तालुका के डवकी (भागी) में एक चौंकाने वाली और आंखें खोल देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ के निवासी धरमशहारे की गाय ने करीब 15 से 20 किलो प्लास्टिक खा लिया था, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई थी।

हालांकि, देवरी के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पी. एम. चव्हाण ने तत्परता दिखाते हुए गाय की सफल सर्जरी (शस्त्रक्रिया) की और उसके पेट से प्लास्टिक का बड़ा ढेर बाहर निकाला। इस सफल ऑपरेशन के कारण गाय को जीवनदान मिल गया है।

चार दिनों से भूखी थी गाय..

मिली जानकारी के अनुसार, धरमशहारे की गाय पिछले 4 दिनों से कुछ भी चारा-पानी नहीं खा रही थी। वह दिन-ब-दिन कमजोर होती जा रही थी, जिसके कारण किसान ने उस पर पैनी नजर रखी। तब उनके ध्यान में आया कि यह गाय परिसर में खुले में पड़ा प्लास्टिक और कपड़े के टुकड़े खा लेती थी। रोजाना की इस आदत के कारण उसके पेट में भारी मात्रा में प्लास्टिक जमा हो गया था। परिणामस्वरूप, गाय का पाचन तंत्र पूरी तरह से ठप हो गया और उसने अन्न-जल त्याग दिया था।

डॉक्टर का त्वरित निर्णय और सफल सर्जरी..

गाय की गंभीर स्थिति को देखकर मालिक ने तुरंत पशु चिकित्सालय से संपर्क किया। सूचना मिलते ही देवरी के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पी. एम. चव्हाण ने गाय की जांच की। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने एक पल की भी देरी न करते हुए तुरंत ऑपरेशन करने का साहसिक निर्णय लिया। अत्यंत सावधानीपूर्वक किए गए इस ऑपरेशन के दौरान गाय के पेट से करीब 20 किलो प्लास्टिक और कपड़े बाहर निकाले गए। इतनी बड़ी मात्रा में पेट में प्लास्टिक फंसे होने के कारण ही गाय मौत के कगार पर पहुंच गई थी।

गाय की स्थिति स्थिर..

ऑपरेशन को अब 6 से 7 दिन बीत चुके हैं और गाय की स्थिति पूरी तरह से स्थिर है। उसने अब धीरे-धीरे चारा-पानी खाना शुरू कर दिया है और उसकी सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है। डॉक्टर की इस तत्परता के लिए किसान ने प्रशासन का आभार माना है। इस घटना के मद्देनजर डॉ. पी. एम. चव्हाण और प्रशासन ने नागरिकों से सार्वजनिक अपील की है:

मूक पशुओं के जीवन से खिलवाड़ बंद करें। **प्लास्टिक का उपयोग कम करें:** दैनिक जीवन में प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग अत्यंत सीमित करें या पूरी तरह से बंद करें। **कचरा खुले में न फेंकें:** होटलों, घरों या शादियों का बचा हुआ खाना प्लास्टिक की थैलियों में बांधकर सड़कों पर या खुले में न फेंकें। खाना खाने के चक्कर में ये मूक जानवर प्लास्टिक भी निगल जाते हैं। **पर्यावरण की रक्षा करें:** अपने आस-पास के परिसर को स्वच्छ रखकर मूक जानवरों की जान बचाने के लिए हर किसी को जिम्मेदारी से व्यवहार करना जरूरी है।

विशेष रिपोर्ट: 'नौतपा नहीं तपा तो भूखे मर जाएंगे'- मनीष शर्मा ने उजागर किया पूर्वजों की अनूठी लोकोक्ति का वैज्ञानिक रहस्य..

जगप्रेरणा आमगांव।

सनातन संस्कृति और भारत के कृषि-प्रधान समाज में प्रकृति के हर परिवर्तन के पीछे एक गहरा विज्ञान छिपा है। ज्येष्ठ मास में जब सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तब वर्ष के सबसे भीषण गर्मी के नौ दिनों का चक्र प्रारंभ होता है,

जिसे लोक-भाषा में 'नौतपा' कहा जाता है। इस वर्ष यह खगोलीय और मौसमी घटना 25 मई से प्रारंभ होकर 2 जून तक अपनी चरम सीमा पर होगी, जहाँ कई क्षेत्रों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँचने की संभावना है। इस विषय पर गहराई से प्रकाश डालते हुए प्रखर परामर्शदाता मनीष शर्मा ने पुरातन काल से समाज में चलते आ रहे पारंपरिक ज्ञान और एक सुप्रसिद्ध लोक-दोहे के आधार पर 'नौतपा' के छिपे हुए रहस्यों को उजागर किया है। शर्मा जी का कहना है कि पहली दृष्टि में यह झुलसाने वाली तपन कष्टकारी और जानलेवा प्रतीत होती है, परंतु हमारे पुरखों के लोक-अनुभव और पारिस्थितिकी विज्ञान का यह अटूट निष्कर्ष है कि 'यदि नौतपा नहीं होगा, तो हम सब भूखे मर जाएंगे।' यह केवल एक कहावत नहीं, बल्कि धरती के अस्तित्व और मानव जाति के भरण-पोषण का अचूक आधार है।

पुरातन दोहा और उसका अकाट्य वैज्ञानिक मर्म : मनीष शर्माजी ने हमारे पूर्वजों द्वारा सदियों के गहन प्रेक्षण के बाद रचे गए उस प्रसिद्ध पुरातन दोहे का विशेष उल्लेख किया है, जो नौतपा के असली महत्व को समझाता है:

'दौ मूसा, दौ कातरा, दौ तीड़ी, दौ ताप।
दौ की बाजी जळ हरै, दो विसवर, दो वाय।।' यह पुरातन दोहा नौतपा के नौ दिनों के भीतर होने वाले क्रमिक कीट-नियंत्रण और पर्यावरण शुद्धि के विज्ञान को प्रकट करता है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो ये नौ दिन प्रकृति की 'सेल्फ-स्टेरलाइजेशन' (स्वतः विसंक्रमण) की एक अनूठी प्रक्रिया हैं, जिसे शर्माजी ने क्रमिक रूप से इस प्रकार समझाया है:

प्रथम दो दिन (दौ मूसा)- चूहों की जनसंख्या पर नियंत्रणः यदि नौतपा के शुरुआती दो दिनों में भीषण लू और प्रचंड गर्मी न पड़े, तो भूमि के भीतर अनुकूल तापमान पाकर चूहों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हो जाती है। ये चूहे आगे चलकर खेतों में खड़ी फसलों को पूरी तरह नष्ट कर देते हैं। **तीसरा और चौथा दिन (दौ कातरा)**- विनाशकारी कीटों का अंतः इसके बाद के दो दिनों की तीव्र तपन 'कातरा' जैसे फसलों को समूल नष्ट करने वाले हानिकारक कीड़ों के प्यूपा और लार्वा को मिट्टी के भीतर ही झुलसाकर समाप्त कर देती है। **पांचवां और छठा दिन (दो तीड़ी)**- टिड्डी दल के संकट से रक्षाः यदि इन दो दिनों में सूर्य की किरणें आग न उगलें, तो फसलों को पल भर में साफ कर देने वाली टिड्डियों के अंडे और उनके नवजात कीट नष्ट नहीं होते, जिससे भविष्य में अकाल की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। **सातवां और आठवां दिन (दो ताप)** - फसलों के सूक्ष्म जीवाणुओं का नाशः इन दिनों का चरम तापमान फसलों में महामारी और विभिन्न बीमारियाँ फैलाने वाले हानिकारक बैक्टीरिया, फंगस और रोगाणुओं का समूल नाश कर मिट्टी को पूरी तरह शुद्ध कर देता है। **नौवां दिन (दो विसवर, दो वाय)**- विषैले जीवों का प्राकृतिक संतुलनः यदि नौवें दिन भी भीषण गर्मी न पड़े, तो धरती के भीतर से सांप, बिच्छू जैसे विषैले जीवों की संख्या अनइच्छित रूप से बढ़ जाती है, जो मानव और मवेशियों के जीवन के लिए बड़ा संकट बन सकते हैं। सृष्टि का संतुलन और भावी समृद्धिः मानसून का कनेक्शन : मनीष शर्मा द्वारा रेखांकित इस पुरातन जानकारी के अनुसार, नौतपा का यह तपना केवल कीड़े-मकोड़ों के विनाश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आगामी मानसून का मुख्य आधार भी है। इन नौ दिनों में जब मैदानी भागों में अत्यधिक निम्न वायुदाब बनता है, तभी समुद्र से जलवाष्प से भरी मानसूनी हवाएँ तेजी से धरती की ओर आकर्षित होती हैं, जिससे उत्तम वर्षा होती है। यदि धरती तपती नहीं, तो मानसून कमजोर रह जाता, कृषि चौपट हो जाती और चारों ओर भुखमरी फैल जाती। इसलिए, यह भीषण तपन वास्तव में आगामी खुशहाली का गर्भकाल है।

प्रशासनिक सतर्कता और मानवीय दायित्वः अपनों का रखें ख्याल : यद्यपि यह भीषण गर्मी प्रकृति के संतुलन के लिए आवश्यक है, परंतु मानव शरीर के लिए यह अत्यंत संवेदनशील समय होता है। शर्माजी ने समाज से अपील की है कि जब पारा 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास मंडरा रहा हो, तब हमें विशेष सावधानी बरतनी होगीः

1. बुजुर्गों और बच्चों की विशेष देखभालः परिवार के बुजुर्गों और बच्चों पर इस मौसम का सबसे तीव्र प्रभाव पड़ता है। उन्हें ठंडे, छायादार और हवादार स्थानों पर रखें। 2. जल ही जीवन हैः शरीर में पानी और लवणों की कमी न होने दें। समय-समय पर पर्याप्त जल, छाछ, नींबू-पानी और ओआरएस का सेवन करते रहें। 3. सुरक्षा के उपायः बिना अत्यंत आवश्यक कार्य के दोपहर के समय बाहर निकलने से बचें। यदि बाहर जाना ही पड़े, तो सिर, कान और चेहरे को सूती कपड़े से अच्छी तरह ढककर ही निकलें।

पुरातन काल से चली आ रही यह ज्ञान-परंपरा और शर्मा जी की यह रिपोर्ट हमें सिखाती है कि नौतपा प्रकृति का वह प्रखर वरदान है जो वर्तमान में तड़पाता जरूर है, पर भविष्य में समूची मानव जाति के पेट भरने का पुख्ता प्रबंध भी करता है। प्रकृति के इस शाश्वत और कल्याणकारी नियम का सम्मान करते हुए सतर्कता बरतें।

'सतर्क रहें, अपनों का ख्याल रखें और स्वस्थ रहें।'

गोंदिया-आमगांव रोड स्थित ग्राम ठाणा में ट्रक चालक की संदिग्ध मौत

रस्सी से लटका मिला शव, शरीर पर चोट और खून के निशान मिलने से हत्या की आशंका..

जगप्रेरणा आमगांव।

गोंदिया-आमगांव मार्ग पर ठाणा गांव के पास एक ट्रक चालक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। चालक का शव ट्रक की रस्सी से फंदे पर लटका हुआ मिला।

वहीं मृतक के शरीर पर चोटों के निशान और खून के धब्बे मिलने से यह मामला आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या का हो सकता है, ऐसी आशंका जताई जा रही है।

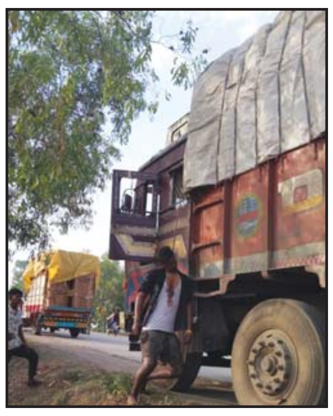

मृतक की पहचान केशव उके (उम्र 25 वर्ष, निवासी बारबती, जिला सिवनी, मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। वह पेशे से ट्रक चालक था। मिली जानकारी के अनुसार ट्रक में गुड़ भरा हुआ था और माल नागपुर पहुंचाया जाना था। लेकिन नागपुर जाने वाला ट्रक गोंदिया जिले के आमगांव तहसील अंतर्गत आनेवाला ग्राम ठाणा गांव क्षेत्र में कैसे पहुंचा, इसको लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

घटनास्थल पर ट्रक की रस्सी से बंधी अवस्था में चालक का शव मिला। मृतक के पैर और गले पर चोट के निशान भी पाए गए। साथ ही शरीर पर खून के धब्बे दिखाई देने से मामला और अधिक संदिग्ध बन गया है। घटना की जानकारी मिलते ही आमगांव पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आत्महत्या और हत्या, दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

शरीर पर चोट और खून के निशान आमगांव पुलिस के पुलिश निरीक्षक तिरुपति राणे के मार्गदर्शन में बिट जमादार राजू गजपुर जांच कर रहे है।

खेत के पानी टंकी मे डुबकर मजदूर की हुई मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।द्र

गोंदिया जिले के गोरेगाव पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 25/5/2026 के शाम 7 बजे भाग्यवान वासुदेव मेश्राम उम्र 55 वर्ष निवासी तामसवाडी यह मजदुरी के काम से निंबा मे शशांश डोये के खेत मे काम करता था। घटना के समय खेत के टंकी मे डुबकर उसकी मौत हुई है, फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे गोरेगाव मे अकस्मात मौत क्रमांक 17/2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जाँच सपोनी प्रशांत भुते पोलीस स्टेशन गोरेगांव कर रहे है।

गोंदिया पुलिस डायरी।।

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो। 9922607145

पान ठेले का ताला तोडकार 11,100 रुपये की चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गोरेगाव पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 26/5/2026 के रात मे फर्यादी उमेश चोपलाल पटले उम्र 34 वर्ष निवासी गोरेगाव का व्ही बी लॉन गोरेगाव के पास पान ठेला होकर घटना की रात मे अज्ञात आरोपी ने पानदुकान का ताला तोड़कर डिओ परफ्यूम 5 नग किमत 1600, रुपये, परफ्युम स्प्रे किमत 2 हजार रुपये, लायटर आऊटर 50 नग किमत 1500 रुपये, सिगरेट 21 पॉकीट किमत 4200 रुपये,3 किलो सुपारी किमत 1800 रुपये कुल 11 हजार 1 सौ रुपये का माल अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे गोरेगाव मे अपराध क्रमांक 374/2026 धारा 305, अ,3,5, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा प्रल्हाद देवारे पोस्टे गोरेगाव कर रहे है।

तेरे बाप की जगह है क्या बोलकर की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 22/5/2026 के रात 10 बजे गोंडीटोला झालीया मे फर्यादी पितम चैनलाल दमाहे अपने गाव के पानदुकान मे बैठकर मोबाईल देख रहा था। वही दोनो आरोपी आये और चिपककर बैठे फर्यादी ने कहा थोडा दुर बैठ गर्मी हो रही है। तो आरोपियो ने कहा तेरे बाप की जगह है क्या मै कही भी बैठु बोलकर उसे मारपीट की गालीगलौच कर आगे देख लेने की धमकी देने से दिये शिकायत पर पोस्टे सालेकसा मे अपराध क्रमांक 272/2026 धारा 296,115,2,351,2,3,5, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोना दिलीप निमजे पोस्टे सालेकसा कर रहे है।

तुने इस महीने की किस्त क्यो नही भरा बोलने पर की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के आमगाव पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 26/5/2026 के रात 8 बजे बोरकन्हार मे फर्यादी योगेश विठ्ठल ब्राम्हणकर उम्र 32 वर्ष निवासी गोरठा आरोपी के घर किस्त के बारे मे बोलने गये थे। घर जाने पर आरोपी की पत्नी ने कहा वो घर पर नही है बस स्टँड के तरफगये है। फर्यादी ने वहा जाकर आरोपी से कहा तु किस्त क्यो नही भरता तो आरोपी ने कहा कभी भी पैसे रहते है क्या बोलकर मारपीट की बाजु मे रखी स्टिल की बालटी मारने से फर्यादी का मोबाईल टुट गया विवो कंपनीका मोबाईल किमत 25 हजार रूपये का नुकसान करने से दिये शिकायत और डाक्टर की रिपोर्ट पर पोस्टे आमगांव मे अपराध क्रमांक 360/2026 धारा 118,1,352,324,4, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा उईके 26 पोस्टे आमगाव कर रहे है।

डॉ. जगदीश बारसागड़े को एक्टिविटी बियॉन्ड क्लब अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

रोटरी क्लब ऑफ़नागपुर वेस्ट ने नागपुर में प्रोग्राम आयोजन किया..

जगप्रेरणा देवरी।

देवरी तालुका के बोरगांव/बाजार में सरकारी सेकेंडरी और जूनियर कॉलेज (आर्ट/साइंस) और एकलव्य मॉडल रेसिडेंशियल स्कूल (C.B.S.E.) के पूर्व प्रिंसिपल, डॉ. जगदीश बारसागड़े को ग्लोबल सोशल ऑर्गनाइज़ेशन

रोटरी क्लब ऑफ़ नागपुर वेस्ट द्वारा मंगलवार को नवदृष्टि हॉल **S.A.** रोड नागपुर में आयोजित चार्टर नाइट प्रोग्राम में उनकी कम्युनिटी/ सोशल सर्विस के लिए एक्टिविटी बियॉन्ड क्लब-2025-26 अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पूर्व प्रांतपाल डॉ. के.एस. राजन के हाथो और रोटरियन देवेंद्र माते(प्रेसिडेंट रोटरियन), आशुतोष जोशी (सेक्रेटरी (एडमिनिस्ट्रेशन) रोटरियन), निलय शेष (सेक्रेटरी (प्रोजेक्ट)) इनकी प्रमुख उपस्थितीमे एक मेमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस समय हॉल में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, रोटरी के मानद सदस्य वगैरह मौजूद थे। **"Say No To Plastic"** (सस्टेनेबिलिटी प्रोजेक्ट) को डायरेक्टर ऑफ़ कम्युनिटी सर्विस (नॉन-मेडिकल) रोटरियन मनोज नागपुरकर के अंडर रोटरियन डॉ. जगदीश बारसागड़े के चेयरमैन ने लागू किया। इस प्रोजेक्ट के तहत, उन्होंने **"Say No To Plastic"** के ज़रिए आदिवासी/नक्सल प्रभावित इलाकों में जाकर इस बारे में ज़्यादा प्रचार-प्रसार किया और लोगों में इस जनहितकारी पहल के बारे में ज़्यादा जागरूकता पैदा की, जो आज की ज़रूरत है।

इस तरह के और अलग-अलग जनसेवा/ सामाजिक/ राष्ट्रीय कामों में उनकी सक्रिय भागीदारी को देखते हुए, रोटरी क्लब ऑफ़वेस्ट ने उन्हें **Activita Beyond Club-2025-26** अवॉर्ड से उनके सामाजिक/सार्वजनिक सेवा/राष्ट्रीय कामों के लिए उन्हें सम्मानित किया।

इसके लिए डॉ. जगदीश बारसागड़े को इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फेडरेशन, ऑल इंडिया टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन, द अर्थ डे नेटवर्क, वर्ल्ड इनवेजन फेडरेशन यूनाइटेड नेशंस, सीनियर सिटिजन्स काउंसिल ऑफ डिस्ट्रिक्ट, नागपुर यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका/एशिया, ट्राइबल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट, फॉरेस्ट डिपार्टमेंट, एजुकेशन डिपार्टमेंट, रेवेन्यू डिपार्टमेंट, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट वगैरह ने उनके काम के लिए उनका आभार माना और उन्हें धन्यवाद दिया।

जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

पर्यावरण का संतुलन बना रहे इस उद्देश्य के साथ जग प्रेरणा प्रतिनिधी राकेश रोकडे ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष में अमृत के पौधे का वृक्षारोपण किया।
छाया- राकेश रोकडे

बाकल-मुसरा एवं बालाघाट-वारासिवनी रेल खंड के समपार फाटक स्थाई रूप से बंद

रोड ओवर ब्रिज निर्माण के उपरांत दो समपार फाटक स्थायी रूप से बंद..

जगप्रेरणा गोंदिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेल संरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने तथा सड़क एवं रेल यातायात को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बाकल-मुसरा (छत्तीसगढ़) एवं बालाघाट-वारासिवनी (मध्यप्रदेश) रेलखंड के दो मानव संचालित समपार फाटकों को स्थायी रूप से बंद किए जाने का निर्णय लिया गया है। रेल प्रशासन के अनुसार बाकल-मुसरा सेक्शन में स्थित समपार फाटक संख्या 468, कि.मी. 912/5-7 (अलिवारा रोड) तथा बालाघाट-वारासिवनी सेक्शन में स्थित समपार फाटक संख्या **BK-9**, कि.मी. 1048/0-1 (बालाघाट-कटंगी/सिवनी रोड) को दिनांक 31 मई 2026 को प्रातः 10.00 बजे से सभी प्रकार के सड़क यातायात हेतु स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। इन समपार फाटकों के स्थान पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त रोड ओवर ब्रिज का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। समपार फाटक बंद होने के उपरांत समस्त सड़क यातायात को नव निर्मित रोड ओवर ब्रिज के माध्यम से डायवर्ट किया जाएगा, जिससे आम नागरिकों को सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

रेलवे प्रशासन आम जनता, वाहन चालकों एवं स्थानीय नागरिकों से अपील करता है कि सुरक्षा की दृष्टि से बंद किए गए समपार फाटकों का उपयोग न करें तथा आवागमन हेतु केवल निर्धारित रोड ओवर ब्रिज का ही उपयोग करें। यह कदम दुर्घटनाओं की संभावना को कम करने तथा रेल एवं सड़क यातायात के बेहतर समन्वय के उद्देश्य से उठाया गया है।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
संजीव बापट गोंदिया
मो. 9922607145

जग प्रेरणा
गोंदिया भंडारा
तिरोड़ा • गोरेगांव • आमगांव • सालेकसा • देवरी • मोरगांव अर्जुनी • तुमसर • साकोली • लाखांदूर

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

गोंदिया भंडारा विधान परिषद चुनाव कांग्रेस हर हाल में पूरी ताकत से लड़ेगी..

पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले की राष्ट्रवादी कांग्रेस नेता अभिषेक कारेमारे से गुप्त बैठक की चर्चाएं..

भाजपा में भी सेंध लगाने की तैयारी में नाना पटोले..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया भंडारा विधान परिषद चुनाव में भले ही यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि विधान परिषद के वोटर्स की संख्या के अनुरुप भाजपा की जीत तय हो सकती है, लेकिन भाजपा अभी तक उम्मीदवार का नाम तय नहीं कर पाई है, तथा जिले में राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म होने के साथ ही राजनीतिक दलों और वोटर्स में असमंजस की स्थितियां बनी हुई है,

प्रतिदिन अलग अलग नामों के सामने आने के कारण नए नए समीकरणों को जन्म देने का प्रयास किया जा रहा है, तथा इस राजनीतिक परिस्थिति के चलते बड़े राजनीतिक विस्फोट के भी दावे किये जा रहे हैं। गौरतलब है कि जैसे ही विधान परिषद चुनाव की सरगर्मी शुरु हुई, शुरुआती दौर में भाजपा के निर्विरोध जीत के दावे किये जाने लगे, हांलांकि जब यह चर्चाएं हलचल मचाने लगी, तो फिर पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने एक बयान जारी कर यह स्पष्ट कर दिया था कि कांग्रेस हर हाल में गोंदिया भंडारा विधान परिषद के चुनावी मैदान में होगी, और भाजपा को निर्विरोध चुनाव नहीं जीतने देगी, इसके बाद यह तो स्पष्ट हो चला है कि कांग्रेस की ओर से विधान परिषद चुनाव में उम्मीदवार अवश्य मैदान में होगा, परंतु कांग्रेस की ओर से भी अभी तक उम्मीदवार के नाम पर विधिवत घोषणा नहीं की गई है, जबकि वहीं कांग्रेस नेता प्रफुल गोपालदास अग्रवाल के द्वारा 28 मई या फिर 1 जून को नामांकन फॉर्म भरने की संभावनाएं राजनीतिक सूत्रों द्वारा जताई जा रही है, वहीं राजनीतिक सूत्रों से जानकारी के अनुसार विधान परिषद चुनाव की फिल्डिंग जमाने में नाना पटोले भी पूरी ताकत से जुट गए हैं, और उनके द्वारा राष्ट्रवादी और भाजपा में सेंध लगाने की कोशिशें भी की जा रही है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस नेता अभिषेक कारेमारे से पटोले की गुप्त बैठक की चर्चाएं..

राजनीतिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया भंडारा विधान परिषद चुनाव की रणनीति तय करने के लिये नाना पटोले ने तुमसर के राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता अभिषेक कारेमारे से भी दो बार गुप्त बैठकें की है, इस तरह की चर्चाएं राजनीतिक क्षेत्र में हल चल मचा रही है। माना जा रहा है कि नाना पटोले कारेमारे या प्रफुल अग्रवाल दोनों में से किसी एक को उम्मीदवार बनाने की तैयारी में है। यदि प्रफुल अग्रवाल कांग्रेस से उम्मीदवार होने के अवसर को अस्वीकार करते हैं, तो अभिषेक कारेमोरे पर नाना पटोले दांव लगाने तैयार हैं, जबकि वहीं प्रफुल अग्रवाल उम्मीदवार होंगे तो अभिषेक कारेमोरे के सहयोग से नाना पटोले विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस की वैतरणी पार करने का प्रयास करेंगे, इस तरह की चर्चाएं भंडारा गोंदिया में हलचल मचाए हुए है।

भाजपा करे चूक इसका राजनीतिक लाभ लेने की तैयारी में कांग्रेस..

गौरतलब है कि भाजपा में एक बार फिर नागपुरी या फिर किसी बाहरी व्यक्ति को उम्मीदवार बनाये जाने की चर्चाएं भी विद्यमान थी, जिसका भाजपा में भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारी विरोध जाहिर कर दिया गया था। माना जा रहा है कि भाजपा के वोटर्स अबकी बार अपने पसंद के उम्मीदवार को विधान परिषद सदस्य के रुप में देखना चाहते हैं, जिसमें विधायक परिणय फुके, वीरेन्द्र (बालाभाऊ) अंजनकर आदि पार्टी निष्ठ नेताओं के नाम पर ही सहमति के दावे किये जा रहे हैं, तथा यदि पार्टी नेतृत्व द्वारा ऊपर से कोई उम्मीदवार थोपने का कार्य किया गया, तो भाजपा में भारी बगावत की स्थितियां नजर आ सकती है। माना जा रहा है कि यदि भाजपा आलाकमान ने स्थानीय कार्यकर्ताओं की मर्जी के विरुद्ध उम्मीदवार का चयन किया और कोई मनमानी की, तो इस स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास कांग्रेस की ओर से तीव्रता से किया जा रहा है, तथा भाजपा को पूरी ताकत उसके पक्ष में होने के बावजूद भी ऐसे कारणों को जन्म देने से पहले सावधान होकर निर्णय लेना ही श्रेयस्कर होगा, कहा जा सकता है।

पेट्रोल-डीजल मूल्यवृद्धि के विरोध में गोंदिया मे जिला कांग्रेस कमेटी ने पेट्रोल पम्पो पर प्रदर्शन..

राज्यपाल के नाम सौपा ज्ञापन, की मूल्यवृद्धि वापस लेने की मांग..

जगप्रेरणा गोंदिया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हाल ही दनानदन हुई वृद्धि के साथ हुई 8 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि के विरोध में गोंदिया शहर के जयस्तंभ चौक पर स्थित पेट्रोल पम्प पर खड़े होकर आम नागरिकों की उपस्थिति में भारी धुप मे नारेबाजी कर प्रदर्शन किया, वहीं महाराष्ट्र के राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन उपविभागीय अधिकारी, गोंदिया के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में बढ़ती महंगाई और आम जनता पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को गंभीर बताते हुए सरकार से तत्काल मूल्य वृद्धि वापस लेने की

मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष अमर वराड़े ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी पहले से ही महंगाई से परेशान जनता के घावों पर नमक छिड़कने जैसा काम कर रही है। श्री वराड़े ने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 28 प्रतिशत तथा डीजल की कीमतों में करीब 62 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के बावजूद पेट्रोल और डीजल के दाम 72 रुपये प्रति लीटर से अधिक नहीं गए थे, जबकि पिछले कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 50 से 65 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहने के बावजूद देश में पेट्रोल के दाम 100 रुपये के आसपास बने हुए है, जो सीधे तौर पर जनता के साथ लूट और मोदी सरकार की विफलता को प्रदर्शित करते हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में पेट्रोलियम उत्पादों पर विभिन्न करों के माध्यम से जनता की जेब से लाखों करोड़ रुपये वसूले गए है, उसके बावजूद भी भारत सरकार पर कर्ज चौगुना बढ़ा है। जबकि पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि का सीधा प्रभाव आम जनता के जीवन पर पड़ रहा है, और सरकार को इस बात की कोई परवाह नहीं है। ईंधन की कीमत बढ़ने से जीवनावश्यक वस्तुओं और दैनिक उपयोग की चीजों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे महंगाई और अधिक गंभीर होती जा रही है। बढ़ते खर्च और महंगाई के कारण सामान्य परिवारों का जीवन कठिन हो गया है।

कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में यह भी उल्लेखित किया कि खेती के कार्यों के लिए ट्रैक्टर और अन्य कृषि यंत्रों में डीजल अत्यावश्यक है। कई क्षेत्रों में डीजल की आपूर्ति प्रभावित होने से कृषि कार्यों में बाधाएं आ रही हैं, जिससे कृषि उत्पादन प्रभावित होने और भविष्य में महंगाई बढ़ने की आशंका है। ज्ञापन के अंत में गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी ने राज्य सरकार और संबंधित विभागों से पेट्रोल और डीजल की बढ़ी हुई कीमतें तत्काल वापस लेने तथा ईंधन की नियमित और सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

यह रहे उपस्थित..

जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन के दौरान प्रमुख रुप से जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमर वराड़े, पी जी कटरे, राजकुमार पुराम, जितेंद्र कटरे, देवेंद्र रहांगडाले, अमान मेमन, बलजीत सिंग बग्गा, सूर्यप्रकाश भगत, मनीष मेश्राम, संजय बहेकार, बाबा मिश्रा, राजेश चांदेवार, महेश उके, भास्कर राहंगडाले, जगदीश चुटे, रंजीत गणवीर, जीवन शरणागत, दिगंबर कोरे, विवेक मेंढे, मनीष चव्हाण, परसराम फुंडे, ललित तिवारी, गुड्डू शेख, अजगर सय्यद, मोतीराम पीहीदे, जिल्हा परिषद छबुताई उके, भारतीय सलामे, अनिता ताई मुनेश्वर, भूमेश्वरीताई रहांगडाले, रूपाली उके एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शासकीय पॉलीटेकनीक कॉलेज में उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाणपत्र वितरण..

जगप्रेरणा गोंदिया।

महाराष्ट्र उद्यमिता विकास केंद्र, गोंदिया द्वारा आयोजित तथा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्था, पुणे (बार्टी) द्वारा प्रायोजित शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, फुलचूर पेठ, गोंदिया में क्लाउड कंप्यूटिंग सर्विसेज एंड सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन विषय पर आयोजित निःशुल्क 60 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 मार्च से 21 मई 2026 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाणपत्र वितरण समारोह 19 मई 2026 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर एच.आर. वाघमारे, राज्य समन्वयक बार्टी एवं विभागीय अधिकारी, एमसीईडी नागपुर तथा केंद्र प्रमुख हिंगणा सेंटर, एमसीईडी नागपुर उपस्थित रहे। साथ ही डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्था, पुणे (बार्टी) की ओर से हृदय गोडबोले, परियोजना अधिकारी बार्टी-नागपुर, रोशन तायवाडे, परियोजना अधिकारी एमसीईडी गोंदिया, वैभव टाकळे, जिला परियोजना समन्वयक गड़चिरोली, शिशुपाल मानकर, कार्यालयीन सहायक एमसीईडी गोंदिया तथा चंद्रशेखर मेश्राम, कार्यक्रम समन्वयक एमसीईडी गोंदिया उपस्थित थे।

यह प्रशिक्षण महाराष्ट्र उद्यमिता विकास केंद्र, गोंदिया (एमसीईडी) के माध्यम से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में उपस्थित मान्यवरों ने प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि क्लाउड कंप्यूटिंग और सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन÷ भविष्य का अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है तथा निरंतर अभ्यास और कौशल विकास के माध्यम से इसमें उज्ज्वल करियर बनाया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी क्षेत्र में लगातार प्रगति करने के लिए प्रेरित किया। इस प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को क्लाउड कंप्यूटिंग एवं सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन क्षेत्र में व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजक संस्थाओं द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी गई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई।

गोंदिया में नवीन आयकर अधिनियम, 2025 पर वृहद जागरूकता संगोष्ठी संपन्न

जगप्रेरणा गोंदिया।

भारत सरकार द्वारा वित्तीय सुदृढ़ता, पारदर्शिता और कर प्रणाली के सरलीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 'नवीन आयकर अधिनियम, 2025' को 1 अप्रैल 2026 से संपूर्ण राष्ट्र में प्रभावी कर दिया गया है। इस नवीन अधिनियम के अंतर्गत आयकर प्रावधानों, नियमों तथा

विविध प्रपत्रों में किए गए युगांतकारी परिवर्तनों से करदाताओं और आम नागरिकों को आत्मसात कराने के उद्देश्य से, केंद्रीय वित्त मंत्रालय के निर्देशानुसार देशव्यापी चेतना अभियान चलाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (नागपुर) के कुशल मार्गदर्शन में आयकर कार्यालय, गोंदिया द्वारा शुक्रवार, 22 मई 2026 को जिला नियोजन भवन, कलेक्टर कार्यालय परिसर (गोंदिया) में एक उच्चस्तरीय, भव्य एवं गरिमामयी जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया।

शुक्रवार को आयोजित इस बौद्धिक संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में नागपुर से विशेष रूप से पधारे ऋषि कुमार बिसेन (आईआरएस), अपर निदेशक आयकर (आई एंड सीआई), नागपुर उपस्थित रहे। उन्होंने अपने सारगर्भित एवं ओजस्वी संबोधन में नवीन आयकर अधिनियम, 2025 के मूल दर्शन पर व्यापक प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता बिसेन ने अधिनियम में समाहित मुख्य संशोधनों, नए कर ढांचों और संशोधित प्रपत्रों की तकनीकी बारीकियों को अत्यंत सरल, सुबोध और व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि ये नए नियम करदाताओं की सुविधा, सुगमता और अनुपालन को सुदृढ़ करने के ध्येय से निर्मित किए गए हैं। विशिष्ट व्याख्यान के उपरांत एक अत्यंत प्रभावी संवादात्मक सत्र (क्यू एंड ए सेशन) का आयोजन हुआ। इस सत्र में मुख्य वक्ता एवं उपस्थित वरिष्ठ आयकर अधिकारियों ने संभागियों द्वारा पूछे गए जटिल एवं व्यावहारिक प्रश्नों के अत्यंत तार्किक, वैधानिक व संतोषजनक उत्तर दिए। अधिकारियों ने कर अनुपालन से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर उपस्थित जनसमुदाय का कुशल मार्गदर्शन कर उनकी समस्त शंकाओं का सहर्ष निवारण किया।

इस महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक आयोजन को सफल बनाने में गोंदिया के आयकर अधिकारी सुमित कुमार एवं नितिन श्रीवास्तव सहित विभाग के अन्य प्रबुद्ध अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महती भूमिका रही। इस सेमिनार में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी—विशेष रूप से आहरण एवं संवितरण का उत्तरदायित्व संभालने वाले अधिकारी, प्रख्यात कर सलाहकार, उद्यमी, व्यापारी, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं जागरूक नागरिक भारी संख्या में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित नागरिकों को नवीन आयकर अधिनियम, 2025 के संबंध में अत्यंत उपयोगी, प्रामाणिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई। उपस्थित जनसमुदाय ने इस आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे नए राष्ट्र निर्माण और कर चेतना की दिशा में एक कल्याणकारी और समयोचित कदम बताया।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

SONO VIEW
SONOGRAPHY
X-RAY
CT SCAN
MRI CENTER
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
■ Color Doppler ■ Power Doppler Imaging
■ B-flow Imaging ■ Tissue Harmonic Imaging
■ Transrectric & TV Sonography
■ Pediatric Sonography ■ Orbital Sonography
■ Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
■ Neonatologist Neurosonogram
■ 2 D Echo Cardiography ■ Foetal Echo
■ Whole Body Ct Scan ■ Digital X-ray Digital Radiography System ■ M.R.I.
DIGITAL X-RAY
● 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
● 2D Echo
● Colour Doppler
● Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
● M.R.I.
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन व एम.आर.आई. क्लिनिक
तुरकर SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN, M.R.I. क्लिनिक
सिव्हिल लाईन, गोंदिया फोन - 07182- 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com
SONOGRAPHY C.T./M.R.I.

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com